घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 53- मंगलवार 23- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

संक्षिप्त समाचार

नेशनल हेराल्ड मामला

दिल्ली हाई कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई सोनिया और राहुल को नोटिस जारी

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। दिल्ली हाई कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग शिकायत पर ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने शिकायत का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित और लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आर. एस. चीमा ने अदालत में दलीलें दीं। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की ईडी की याचिका पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च 2026 को होगी। हाईकोर्ट में ईडी ने 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन अस्वीकार्य है, क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने की संयुक्त रूप से घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री लक्सन की मार्च 2025 की भारत यात्रा के दौरान शुरू हुई बातचीत को महज नौ महीनों में पूरा किया जाना दोनों देशों की साझा राजनीतिक इच्छाशक्ति और द्विपक्षीय संबंधों को गहराई देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह एफटीए व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने,बाजार पहुंच को मजबूत करने तथा रणनीतिक सहयोग को नई दिशा देने में सहायक होगा। साथ ही दोनों देशों के निवेशकों,उद्यमियों, किसानों,एमएसएमई,छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर भी खोलेगा। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि इस समझौते से अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होगा और आने वाले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर तक का निवेश आएगा। उन्होंने खेल, शिक्षा और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति का भी स्वागत किया।

घृणास्पद भाषण विधेयक का विरोध वही करते हैं जो नफरत फैलाते हैं : सिद्धारमैया

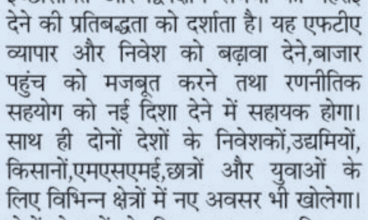

मैसूर,22 दिसम्बर 2025। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घृणास्पद भाषण (हेट स्पीच) निवारण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का विरोध वही लोग कर रहे हैं,जो समाज में भड़काऊ और विभाजनकारी भाषण देते हैं। यदि कोई व्यक्ति भड़काऊ भाषण नहीं देगा,तो उसके खिलाफ मामला दर्ज होने का सवाल ही नहीं उठता। मैसूर में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा यह आरोप लगा रही है कि राज्य सरकार द्वारा लाया गया घृणास्पद भाषण निवारण विधेयक कुछ खास लोगों या समूहों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है,जबकि यह आरोप पूरी तरह निराधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून सभी राजनीतिक दलों और सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर ऐसा है, तो फिर इस विधेयक का विरोध सिर्फ भाजपा ही क्यों कर रही है सिद्धारमैया ने कहा कि जिन लोगों को डर है कि इस कानून के तहत उन पर कार्रवाई हो सकती है।

अजमेर दरगाह में पीएम मोदी की चादर पेश केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने की चादरपोशी

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में चल रहे 814 वें सालाना उर्स के अवसर पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से चादर पेश की गई। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू प्रधानमंत्री की ओर से भेजी गई चादर लेकर अजमेर पहुंचे और परंपरागत तरीके से दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई। चादरपोशी के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुलंद दरवाजे पर प्रधानमंत्री का संदेश देशवासियों के नाम पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम को लेकर दरगाह परिसर और आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इससे पहले सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह चादर प्रधानमंत्री, सरकार और देशवासियों की ओर से है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल का

सदस्य होने के नाते वे स्वयं यहां पहुंचे हैं और जो भी संदेश देंगे, वही प्रधानमंत्री का संदेश होगा। उन्होंने स्वयं को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि अजमेर दरगाह आकर देश में अमन, चैन और भाईचारे की दुआ करने का अवसर मिला है। चादर पेश करने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, मंत्री सुरेश रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि महफिलखाने पहुंचे। यहां दरगाह दीवान के पुत्र नसरुद्दीन चिश्ती ने उनका स्वागत किया और उर्स की मुबारकबाद दी। इस दौरान देश में शांति, सद्भाव और खुशहाली की दुआ मांगी गई। खादिमों की ओर से दस्तारबंदी कर तबर्रुक भी भेंट किया गया।

चिराग पासवान की ओर से भी चादर पेश

उर्स के मौके पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की ओर से भी दरगाह में चादर पेश की गई। यह चादर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद साबिर ने पेश की। खादिम जुहूर बाबा चिश्ती ने उन्हें जियारत कराई। चादरपोशी के दौरान सूफियाना परंपराओं के अनुसार मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई। चांद नजर आने के साथ ही रविवार से 814वें उर्स की शुरुआत हो चुकी है। उर्स के चलते देश-विदेश से लाखों की संख्या में जायरीन अजमेर दरगाह पहुंच रहे हैं। उर्स के विशेष अवसर पर जन्नती दरवाजा भी जायरीन के लिए खोला गया है,जो सामान्य दिनों में बंद रहता है।

टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने बनाई नई पार्टी...बंगाल में सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया कदम उठाते हुए अपनी अलग राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान किया है। उनकी पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी रखा गया है। मुर्शिदाबाद जिले से आने वाले हुमायूं कबीर ने बताया कि पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर उन्होंने चुनाव आयोग को दो विकल्प सुझाए हैं। उनकी पहली पसंद 'टेबल' और दूसरी पसंद 'जुड़े गुलाब' यानी ट्विन रोजेज है। हुमायूं कबीर ने कहा कि जरूरत पड़ने पर उनकी पार्टी राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। पार्टी के नाम की औपचारिक घोषणा वह आज दोपहर मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में आयोजित एक जनसभा के दौरान करेंगे। सभा को

देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मीडिया से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी आम जनता के विकास को केंद्र में रखकर राजनीति करेगी। इसी सोच के तहत पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी रखा गया है, जिसमें 'उन्नयन' का मतलब विकास है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस और भाजपा से नाराज़ नेताओं व संगठनों से एकजुट होने की अपील भी की है।

यूपी में कोडीन कफ सिरप से एक भी मौत नहीं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,22 दिसम्बर 2025। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कोडीन कफ सिरप प्रकरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्ष,खासकर समाजवादी पार्टी पर करारा प्रहार करते हुए सरकार का पक्ष मजबूती से रखा। मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है, लेकिन अवैध डायवर्जन,ट्रेडिंग और स्टोरेज के इस पूरे नेटवर्क के तार समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों तक पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष और सपा सदस्यों के हंगामे पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रश्न क्या है और मुद्दा क्या बनाया जा रहा है। इसका फर्क समझना चाहिए। सदन की गरिमा बनाए रखना विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहावत 'चोर की दाढ़ी में तिनका' का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष की बेचैनी खुद बहुत कुछ बयां कर रही है।

कोडीन से यूपी में कोई मौत नहीं, झूठ फैलाया जा रहा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि कोडीन युक्त कफ सिरप को लेकर प्रदेश में मौत की कोई भी घटना शासन के संज्ञान में नहीं है। यह पूरा मामला इललीगल डायवर्जन का है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में न तो कोडीन कफ

सिरप का उत्पादन होता है और न ही इसका गैरकानूनी निर्माण। यूपी में केवल स्टॉकिस्ट और होलसेलर हैं। इसका उत्पादन मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में होता है, जबकि जिन मौतों की बात की जा रही है, वे अन्य राज्यों विशेषकर तमिलनाडु में बने सिरप से जुड़ी हैं।

2016 में सपा सरकार ने जारी किया सबसे बड़े होलसेलर का लाइसेंस

मुख्यमंत्री ने सदन में बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े कोडीन कफ सिरप होलसेलर को 2016 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने लाइसेंस जारी किया था। एसटीएफ ने उसी नेटवर्क को पकड़ा है। उन्होंने कहा कि देश में 'दो नमूने' हैं, एक दिल्ली में और दूसरा लखनऊ में बैठता है और जब भी कोई गंभीर चर्चा होती है तो देश छोड़कर भाग जाते हैं।

पंजाब के पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने खुद को मारी गोली,हालत नाजुक

पंजाब,22 दिसम्बर 2025। पंजाब के पटियाला से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। पंजाब पुलिस के पूर्व महानिरीक्षक अमर सिंह चहल ने सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में खुद को गोली मार ली। इस घटना के बाद पूरे पुलिस महकमे और राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। आनन-फानन में उन्हें पटियाला के पार्क अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की एक टीम उनकी जान बचाने की कोशिश कर रही है। चहल की स्थिति फिलहाल बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

घर के भीतर चली गोली,सुसाइड नोट मिलने की चर्चा : रिटायरमेंट के बाद अमर सिंह चहल पटियाला में ही निवास कर रहे थे। सोमवार की सुबह अचानक उनके घर से गोली चलने की आवाज आई, जिससे आसपास के लोग और परिजन सन्न रह गए। सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि पूर्व आईजी ने यह कदम उठाने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है। हालांकि,पुलिस प्रशासन ने अभी तक आधिकारिक तौर पर सुसाइड नोट की मौजूदगी की पुष्टि नहीं की है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर ऐसी क्या वजह थी जिसने

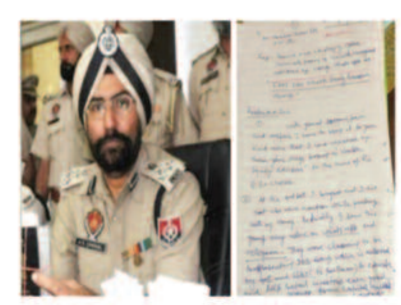

एक वरिष्ठ पूर्व अधिकारी को इतना आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर किया।

एसएसपी पटियाला का बयान और पुलिस की त्वरित कार्रवाई : पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जैसे ही कंट्रोल रूम को गोली चलने की सूचना मिली, पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। एसएसपी के मुताबिक, जब पुलिस अमर सिंह चहल के आवास पर पहुंची, तो वे खून से लथपथ और गंभीर हालत में थे। बिना समय गंवाए उन्हें पास के एक निजी अस्पताल (पार्क हॉस्पिटल) में भर्ती कराया गया।

बेअदबी और गोलीकांड के मामलों से जुड़ा रहा है नाता

अमर सिंह चहल का नाम पिछले कुछ वर्षों से पंजाब के सबसे चर्चित और विवादास्पद मामलों में शुमार रहा है। वे 2015 में फरीदकोट में हुए बहबल कलां और कोटकपूरा गोलीकांड मामले में मुख्य आरोपियों में से एक रहे हैं। यह मामला सिखों के पवित्र ग्रंथ की बेअदबी के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा की गई फायरिंग से जुड़ा है।

चार्जशीट में शामिल थे बादल परिवार और कई दिग्गज अधिकारियों के नाम

एडीजीपी एलके यादव की अगुआई वाली विशेष जांच टीम ने जब इस मामले की जांच रिपोर्ट फरीदकोट कोर्ट में सौंपी थी, तो उसमें पंजाब की राजनीति और पुलिस प्रशासन के कई 'बड़े चेहरों' के नाम थे। इस चार्जशीट में पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, पूर्व गृह मंत्री सुखबीर सिंह बादल और पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी के साथ-साथ तत्कालीन डीआईजी अमर सिंह चहल को भी नामजद किया गया था। आरोप था कि इन अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने की साजिश रची या उसमें शामिल थे।

हिजाब विवाद में घिरे सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी से की मुलाकात,मंत्रिमंडल विस्तार और वित्तीय मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। बिहार में हिजाब विवाद में बुरी तरह घिरे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात करीब 30 मिनट तक चली, जिसमें कई अहम राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश के साथ केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। तीनों नेता एक ही वाहन से प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे,जिससे इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना से दिल्ली पहुंचे थे। बिहार विधानसभा

चुनाव में भारी जीत के बाद यह उनका पहला दिल्ली दौरा है। ऐसे में इस मुलाकात को एनडीए के भीतर समन्वय और आगामी रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच मुख्य रूप से तीन मुद्दों पर बातचीत हुई। पहला और सबसे संवेदनशील मुद्दा हिजाब विवाद का रहा। हिजाब हटाने के बाद नुरसत परवीन के अब तक नौकरी जॉइन नही करने और इस मामले को लेकर देश-विदेश में हो रही बयानबाजी पर भी चर्चा की गई होगी, ऐसी संभावना जताई जा रही है। एनडीए नेतृत्व नहीं चाहता कि इस विवाद का असर 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर पड़े। दूसरा अहम मुद्दा मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर रहा। हाल ही में नितिन नबीन के मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उनके पास रहे दो विभागों की जिम्मेदारी को लेकर पुनर्व्यवस्था आवश्यक हो गई है। ऐसे में नए मंत्रियों को शामिल करने या विभागों के पुनः बंटवारे पर भी विचार-विमर्श हुआ। तीसरा मुद्दा विभिन्न नीतियों से जुड़े वित्तीय पहलुओं का रहा।

बांग्लादेश हाई कमीशन ने भारत में वीजा सर्विस रोकी

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। बांग्लादेश हाई कमीशन ने भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने सभी वीजा और काउंसलर सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रोक अगले आदेश तक लागू रहेगी। इससे पहले अगरतला में बांग्लादेश कॉन्सुलेट भी वीजा सर्विस पर रोक लगा चुका है। यह फैसला शनिवार को हाई कमीशन के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद लिया गया। दूसरी तरफ बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने भी यह साफ किया कि इस बात की कोई पुख्ता जानकारी नहीं है कि छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के

आरोपी ने भारत में शरण ली है। गृह मंत्रालय के आईजी रफीकुल इस्लाम ने बताया कि मुख्य आरोपी फैसल करीम मसूद के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हादी की मौत के बाद आरोपी के भारत में शरण लेने का दावा किया जा रहा था।

विकसित भारत के निर्माण में सामूहिक प्रयास जरूरी : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं और इसमें भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि रक्षा सेवाओं के वित्तीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन देश की सुरक्षा क्षमता को सीधे प्रभावित करता है। आईडीएएस के 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवकों को ज्ञान के साथ-साथ चरित्र, विनम्रता और संवेदनशीलता को भी अपने कार्य व्यवहार में शामिल करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से 'सेवा भाव और कर्तव्य बोध' को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा करने का अवसर सौभाग्य के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग की 275 वर्षों से अधिक

पुरानी गौरवशाली परंपरा रही है और यह भारत सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सिविल सेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। समावेशी विकास और अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाना अमृत काल का प्रमुख उद्देश्य है, जिसे साकार करने में युवा अधिकारियों की ऊर्जा और नवाचार निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों को बनाए रखने के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन अनिवार्य है। उन्होंने सार्वजनिक धन के प्रबंधन में ईमानदारी, पारदर्शिता, सतर्कता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने तेजी से बदलते तकनीकी युग में सतत क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर जोर देते हुए आईजीओटी कर्मयोगी जैसे प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी।

केरल,मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार की ड्राफ्ट मतदाता सूची आज प्रकाशित होगा...

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। भारत निर्वाचन आयोग मंगलवार को केरल,मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करने जा रहा है। इसके साथ ही 2026 में विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में प्रस्तावित चुनावी प्रक्रिया की तैयारियों में एक और अहम कदम पूरा होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में तैयार किए गए ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स को मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) और जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) के माध्यम से सभी मान्यता-प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि वे तय समय में आपत्तियां,सुझाव और एतराज दर्ज करा सकें। आयोग ने यह निर्देश दिया है कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची की हार्ड कॉपी उपलब्ध कराई जाए।

फास्ट टैग से अब पेट्रोल से लेकर पार्किंग तक भुगतान,डिजिटल फ्रॉड से बच सकेंगे रोड साइड सुविधाओं के लिए दायरा भी बढ़ेगा

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2025। देशभर में अब पेट्रोल से लेकर पार्किंग तक में फास्ट टैग से भुगतान हो सकेगा। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय फास्ट टैग को बहु-उपयोगी (मल्टीपर्पस) बनाने की तैयारी में है। इसके लिए पिछले छह महीने से किया जा रहा ट्रायल सफल रहा है। मंत्रालय का उद्देश्य है कि फास्ट टैग का उपयोग केवल टोल भुगतान तक सीमित न रहे, बल्कि यात्रा के दौरान रोड साइड एमिनिटीज के भुगतान में भी किया जा सके। जानकारी के अनुसार इस व्यवस्था से डिजिटल फ्रॉड की आशंका कम होगी। उपयोगकर्ता चाहें तो फास्ट टैग में सीमित राशि डालकर उसे वॉलेट के रूप में इस्तेमाल कर सकेंगे। अभी अधिकतर लोग फास्ट टैग को बैंक अकाउंट से जोड़कर रखते हैं, लेकिन वॉलेट विकल्प होने से

धोखाधड़ी की स्थिति में नुकसान सीमित रहेगा और बैंकिंग गोपनीयता भी सुरक्षित रहेगी। इस संबंध में बैंक, फिनटेक कंपनियां, पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स और टोल ऑपरेटर्स के साथ बैठक हो चुकी है। इसमें सहमति बनी कि टोल के अलावा पेट्रोल पंप भुगतान, ईवी चार्जिंग, फूड आउटलेट, वाहन मेंटेनेंस, सिटी एंट्री चार्ज और परिवहन के दौरान उपयोग होने वाली अन्य सुविधाओं के भुगतान के लिए भी फास्ट टैग का इस्तेमाल किया जाए।

संपादकीय

मुक्त व्यापार से खुलेगी प्रगति की राह

नए वर्ष 2026 में भारत दुनिया के प्रमुख देशों के साथ एफटीए को तेजी से आकार देने की डगर पर आगे बढ़ेगा। उम्मीद करें कि नए साल में होने वाले एफटीए भारत को निर्यात,सेवा,निवेश,तकनीकी सहयोग और पेशेवरों की आवाजाही की नई आर्थिक शक्ति बनाते हुए देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की डगर पर आगे बढ़ाएंगे।

ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों और वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर अनिश्चितताओं के बीच भारत के निर्यात में बढ़ोतरी का रुझान दिखा है। नवंबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात 64.05 अरब डालर से बढ़कर 73.99 अरब डालर हो गया। निर्यात में 15.52 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। इसके पीछे मुक्त व्यापार समझौतों यानी एफटीए की अहम भूमिका मानी जा रही है। नए वर्ष में अमेरिका,यूरोपीय संघ और कई अन्य देशों के साथ एफटीए के आकार लेने से भारत का निर्यात नई ऊंचाई पर होगा तथा भारत की व्यापार घाटे की चिंताएं कम होंगी।

इसी पृष्ठभूमि में 19 दिसंबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत-न्यूजीलैंड एफटीए को मंजूरी दी है। दोनों देशों ने 14 साल पहले एफटीए पर बातचीत शुरू की थी। इस एफटीए से जहां वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार के साथ-साथ निवेश प्रवाह को बढ़ाने और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इससे कृषि,खाद्य प्रसंस्करण,नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मा, शिक्षा और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बनने की भी उम्मीद है।

इससे पहले ही 18 दिसंबर को ओमान के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस एफटीए को आधिकारिक तौर पर समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता (सीपा) कहा गया है।

इस एफटीए के तहत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शून्य दर पर पहुंच मिलेगी। इसमें ओमान को होने वाले 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात शामिल हैं। इससे भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण, दवाई,वाहन, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। खासतौर से भारत से करीब 3.64 अरब डालर के निर्यात पर ओमान में फिलहाल लगने वाला पांच प्रतिशत शुल्क शून्य हो जाएगा। इसके बदले में भारत ने ओमान से आने वाले विभिन्न उत्पादों पर आयात शुल्क में कमी सुनिश्चित की है। भारत ने अपनी करीब 78 प्रतिशत टैरिफ लाइन पर शुल्क में उदारता की पेशकश की है। ऐसे में मूल्य के लिहाज से ओमान से भारत में 95 प्रतिशत उत्पादों के शुल्क कम होंगे। इनमें खजूर,मार्बल और पेट्रोकेमिकल उत्पाद शामिल हैं। निश्चित रूप से इस एफटीए के तहत भारत के हित में कई अहम बातें हैं।

भारत ने घरेलू हितों की रक्षा के लिए कुछ सख्त कदम भी उठाए हैं। पेशेवर आवाजाही पर भी एफटीए में भारत के हित हैं। पहली बार ओमान ने भारतीय पेशेवरों की आवाजाही पर व्यापक रियायतें दी हैं। 'इंट्रा-कारपोरेट ट्रांसफरीज' का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। टेंडर के आधार पर सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों के लिए समय की अवधि को 90 दिनों से बढ़ाकर दो साल कर दिया गया है।

डिजिटल दक्षता से कैरियर में कामयाबी

कामकाजी दुनिया में तेजी से बदलाव हुआ है। एआई आटोमेशन,रिमोट वर्क,एप इकोनॉमी और डेटा ड्रिवन फैसलों ने हर सेक्टर की कार्यशैली को नई दिशा दी है। टेक्नॉलोजी में माहिर कर्मचारी ही कंपनी की पहली पसंद होते हैं...

डॉ विजय गर्ग
मलोट पंजाब

आज की दुनिया में कैरियर सिर्फ डिग्री या अनुभव पर नहीं रुकते। प्रोफेशनल सफलता की परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक हर जगह डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर होना अब सबसे ऊंची मैरिट है। डिजिटल टेक्नोलॉजी को समझना और उसे अपने कामकाज में इस्तेमाल करना, स्मार्ट होने का सबसे बड़ा पैमाना है।

दरअसल, पिछले एक दशक से कामकाजी दुनिया में तेजी से बदलाव हुआ,एआई आटोमेशन, रिमोट वर्क, एप इकोनॉमी और डेटा ड्रिवन फैसलों ने हर सेक्टर की कार्यशैली को नई दिशा दी है। क्योंकि अब किसी भी जगह कागज पर काम नहीं होता। हर विभाग का केंद्र डाटा बन चुका है। मीटिंग अब ऑफिस में कम, ऑनलाइन ज्यादा होती है। इसलिए टेक और सक्षम कर्मचारी ही कंपनी की पहली पसंद होती है। ऐसे में कामयाब होना है तो डिग्री+डिजिटल स्किल में दक्षता हासिल करिए।

डिजिटल टेक आज की प्रोफेशनल भाषा

शिक्षा,स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, पत्रकारिता,कानून,मीडिया या इंजीनियरिंग आदि हर क्षेत्र डिजिटल टेक्नोलॉजी से ही संचालित होता है। इसलिए कैरियर के लिए ये क्षमताएं जरूरी हैं। जानकारी खोजने की डिजिटल क्षमता,ई-मेल प्रस्तुति और ऑनलाइन संचार,एआई टूल्स का उपयोग,एक्सेल पॉवर, वीआई जैसे डाटा टूल्स,टीम वर्क के लिए जूम,स्लैक,टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल, सोशल मीडिया और डिजिटल ब्रांडिंग आदि जो व्यक्ति अपने कैरियर में इन्हें नहीं अपनाता या अपनाने की क्षमता नहीं रखता, तो समझिये वो जॉब मार्केट से बाहर हो गया।

एआई -हमारा नया सहकर्मी

साल 2025 का कार्यक्षेत्र एआई-सहयोगी होने के दौर में प्रवेश कर चुका है। याद रखिए एआई अब सिर्फ मशीन नहीं यह आपकी अदृश्य मददगार टीम है। आज एआई ही हमारे कैरियर को आगे बढ़ाता है। एआई से ही ज्यादातर शोधकर्ता शोध करते हैं। ई-मेल पर रिपोर्ट लिखने का यही बढ़िया माध्यम है। प्रस्तुतियां तैयार करना,प्रोजेक्ट प्लानिंग,कोड और ऑटोमेशन तथा इंटरव्यू की तैयारी व नये कौशल सीखने में सहायता पहुंचाना-ये सब एआई के जरिये ही संभव है। आज एआई के उपयोग करने वाले प्रोफेशनल उसी काम को दूसरे लोगों के मुकाबले 40 से 50 फीसदी कम समय में कर लेते हैं । इसलिए डिजिटल दक्षता हासिल कर लें।

जीवन रक्षक कौशल

आज कंपनियां अपने कर्मचारियों से यही पूछती हैं कि कौन सा डिजिटल टूल कितनी दक्षता से इस्तेमाल करते हैं। जरा इन कुछ डिजिटल तकनीकों पर नजर दौड़ाइये-डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी बेसिक्स, सोशल मीडिया मैनेजमेंट,ऑटोमेशन टूल्स, एक्सल एडवांस, ग्राफिक-वीडियो टूल, सीआरएम/ईआरपी सॉफ्टवेयर, एआई सपोर्ट तथा वर्क फ्लो- ये सारे के सारे कोर्स अब मैरिट लिस्ट का आधार बन चुके हैं और करीब-करीब हर क्षेत्र की नौकरी का हिस्सा हैं।

डिजिटल नेटवर्किंग

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म अब रेज्यूमे से कहीं ज्यादा शक्तिशाली साबित हुए हैं। यहां की आपकी तस्वीर,प्रोफाइल, पोस्ट, कमेंट,बातचीत, सब आपकी डिजिटल पहचान बनाते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के बहुत फायदे हैं। इससे हमारी अवसरों तक सीधे पहुंच बनती है। इंडस्ट्री लीडर से सीधा संवाद होता है। नौकरियों का पता चलता है और प्रोजेक्ट तथा फ्रीलांस काम होते हैं। यहां हर व्यक्ति अपने आपमें सेल्फ ब्रांड होता है। आज 50 प्रतिशत से ज्यादा नौकरियां रेफरल या नेटवर्क से मिल रही हैं। इससे पता चलता है कि क्यों डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्षता जरूरी है।

डिजिटल टेक के जरिये ई-लर्निंग

आज सफल कैरियर का मंत्र है-'जो सीखना बंद कर देता है, वह बे ना भी बंद कर देता है।'डिजिटल टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी देन है,ऑनलाइन सीखने की आजादी। कोरसेरा, उडेमी, एनबीटीएल,गूगल सर्टिफिकेट्स व 'यू-ट्यूब यूनिवर्सिटी'।आज भला ऐसा कौन सा प्लेटफॉर्म है जहां जबर्दस्त ज्ञान नहीं बिखरा पे ा। लेकिन अगर आप डिजिटल टेक्नोलॉजी से अंजान हैं, तो यह सारा ज्ञान आपके लिए नहीं है। वास्तव में डिजिटल टेक्नोलॉजी हमें तेजी से बदलती है। अगर सप्ताह में दो या तीन घंटे की डिजिटल सीख अपनाते हैं, तो हम इसमें दक्षता हासिल करके अपने कैरियर को मनचाही उे ान दे सकते हैं।

डिजिटल टेक से पर्सनल ब्रांडिंग

एचआर आपका सीवी देखने के लिए पहले गूगल पर आपका नाम सर्च करता है, जिसमें आपकी ऑनलाइन छवि ही वास्तव में छवि है। लिंक्डइन पर नियमित पोस्ट करें, अपने काम की उपलब्धियों को साझा करें और नये कार्यों की उपलब्धियां साझा करें। इससे आपकी जॉब मार्केट में बहुत आकर्षक व प्रभावशाली तस्वीर बनेगी।

देश-समाज को जगाने वालों पर सवाल क्यों?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी,हरियाणा

किसी भी जीवंत समाज की पहचान यह नहीं होती कि वह कितनी परंपराओं का पालन करता है,बल्कि यह होती है कि वह परंपराओं को कितनी विवेकपूर्ण दृष्टि से देखता है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने प्रश्न पूछने वालों को सम्मान दिया,वही आगे बढ़े; और जिन्होंने उन्हें दबाने की कोशिश की, वे जड़ता और पतन का शिकार हुए। आज जब कोई व्यक्ति,संगठन या विचारक अंधविश्वास, पाखंड और झूठ के खिलाफ आवाज़ उठाता है,तो उसके इरादों पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। उसे धर्म-विरोधी,संस्कृति-विरोधी या समाज-विरोधी ठहराने की कोशिश की जाती है। यह प्रवृत्ति स्वयं में एक गंभीर प्रश्न है–

आखिर समाज को जगाने वालों पर सवाल क्यों?

आस्था और अंधविश्वास के बीच का फर्क समझना आज सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। आस्था व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है,उसे नैतिकता, करुणा और आत्मबल प्रदान करती है। इसके विपरीत अंधविश्वास भय,अज्ञान और असहायता को जन्म देता है। आस्था जहां विवेक के साथ चलती है, वहीं अंधविश्वास विवेक को कुचल देता है। दुर्भाग्यवश,आज इन दोनों को जानबूझकर एक-दूसरे में मिलाया जा रहा है, ताकि सवाल पूछने वालों को चुप कराया जा सके और पाखंड के कारोबार को सुरक्षित रखा जा सके।

धर्म का मूल उद्देश्य कभी भी मनुष्य को अज्ञान में रखना नहीं रहा। भारतीय दर्शन की परंपरा तो प्रश्नों और संवादों की रही है। उपनिषदों से लेकर बुद्ध और कबीर तक,हर विचारधारा ने जिज्ञासा और तर्क को महत्व दिया। सवाल मत पूछो की संस्कृति भारतीय चिंतन की आत्मा के विपरीत है। इसके बावजूद आज यह धारणा बनाई जा रही है कि सवाल करना आस्था पर हमला है। यह न केवल बौद्धिक रूप से गलत है,बल्कि सामाजिक रूप से भी खतरनाक है।

अंधविश्वास का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वह शोषण को वैधता देता है। चमत्कारों के नाम पर लोगों को ठगा जाता है,बीमारों को इलाज के बजाय झाड़-फूंक के हवाले कर दिया जाता है, महिलाओं और बच्चों को डर और अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर किया जाता है। जब कोई इन कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे 'परंपरा तोड़ने वाला' घोषित कर दिया जाता है। वास्तव में वह परंपरा नहीं, परंपरा के नाम पर चल रहे शोषण को चुनौती दे रहा होता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अंधविश्वास केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर लोकतंत्र पर पड़ता है। एक ऐसा समाज, जो तर्क और वैज्ञानिक

सोच से दूर हो,वह आसानी से अफवाहों,नफरत और झूठे प्रचार का शिकार बन जाता है। लोकतंत्र की बुनियाद ही सूचित और विवेकशील नागरिकों पर टिकी होती है। जब नागरिक डर और अज्ञान के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं, तब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर पड़ने लगती हैं। भारत का संविधान इस संदर्भ में एक स्पष्ट मार्गदर्शक है। यह केवल शासन की व्यवस्था नहीं,बल्कि एक सामाजिक दस्तावेज भी है। संविधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समानता और मानव गरिमा को बढ़ावा देता है। अनुच्छेद 51(क) में नागरिकों के मूल कर्तव्यों में वैज्ञानिक सोच,मानववाद और सुधार की भावना के विकास की बात कही गई है। इस दृष्टि से देखें तो अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाना किसी की व्यक्तिगत सनक नहीं, बल्कि एक संवैधानिक जिम्मेदारी है।इसके बावजूद, समाज को जगाने वालों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि परिवर्तन हमेशा असहज होता है। जो व्यवस्था लंबे समय से चली आ रही हो,उससे लाभ उठाने वाले वर्ग परिवर्तन से डरते हैं। उन्हें लगता है कि यदि लोग सवाल पूछने लगे, तो उनका वर्चस्व खत्म हो जाएगा। इसलिए वे सवाल उठाने वालों को बदनाम करने का आसान रास्ता अपनाते हैं।मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी इस बहस में महत्वपूर्ण है। जहां एक ओर कुछ मंच विवेक और तर्क को जगह देते हैं,वहीं दूसरी ओर सनसनी और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी तेजी से फैलता है। चमत्कारों की कहानियां, अवैज्ञानिक दावे और डर पैदा करने वाले संदेश अधिक 'वायरल' होते हैं। ऐसे माहौल में तर्क की आवाज अक्सर धीमी पड़ जाती है,और तर्क देने वाले व्यक्ति को 'नकारात्मक' या 'विवादित' करार दे दिया जाता है।

शिक्षा इस पूरी समस्या की जड़ में है। यदि शिक्षा केवल डिग्री दिलाने का माध्यम बनकर रह जाए और उसमें वैज्ञानिक सोच, प्रश्न पूछने की आदत और नैतिक साहस न हो, तो समाज में अंधविश्वास का फैलना स्वाभाविक है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाना चाहिए कि हर बात को बिना समझे स्वीकार करना जरूरी नहीं है। सम्मानजनक असहमति और तार्किक सोच ही स्वस्थ समाज की नींव होती है।

यह भी सच है कि हर बदलाव धीरे-धीरे आता है। समाज को जगाने वालों की राह आसान नहीं होती। उन्हें विरोध, उपहास और कभी-कभी हिंसा का भी सामना करना पड़ता है। लेकिन इतिहास में ऐसे ही लोगों ने समाज को नई दिशा दी है। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई तो उन्हें भी विरोध झेलना पड़ा। डॉ. आंबेडकर ने जातिगत भेदभाव को चुनौती दी तो उन पर भी सवाल उठे। आज वे सभी समाज-सुधारक सम्मान के साथ याद किए जाते हैं।

आज का समय भी ऐसे ही साहस की मांग करता है। अंधविश्वास के खिलाफ खड़ा होना किसी एक धर्म, वर्ग या समुदाय के खिलाफ खड़ा होना नहीं है। यह मनुष्य की गरिमा और विवेक के पक्ष में खड़ा होना है। यह कहना कि झूठ, पाखंड और डर का धर्म में कोई स्थान नहीं होना चाहिए,किसी की आस्था का अपमान नहीं, बल्कि उसकी रक्षा है।

समाज को यह तय करना होगा कि वह किस ओर जाना चाहता है–भय और अज्ञान की ओर या विवेक और प्रगति की ओर। यदि हम सच में एक मजबूत, न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक भारत चाहते हैं,तो हमें उन आवाज़ों को सुनना होगा जो हमें सोचने पर मजबूर करती हैं। सवालों से डरने के बजाय उनका सामना करना होगा।

अंततः प्रश्न यही है कि समाज को जगाने वालों पर सवाल क्यों? शायद इसलिए क्योंकि जागरूक समाज सत्ता, पाखंड और शोषण के लिए असुविधाजनक होता है। लेकिन यही असुविधा भविष्य की बुनियाद भी होती है। आज यदि हम विवेक की आवाज़ के साथ खड़े होते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक अधिक जागरूक, स्वतंत्र और मानवीय समाज मिलेगा।अंधविश्वास का अंत किसी एक आंदोलन से नहीं,बल्कि सामूहिक चेतना से होगा। यह चेतना सवाल पूछने से शुरू होती है। इसलिए जो सवाल पूछ रहा है, जो सोचने के लिए प्रेरित कर रहा है,वह समाज का दुश्मन नहीं, उसका सच्चा मित्र है।

ईमानदारी की दुकान और नकली रसीद

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

नीलकंठ सहाय ईमानदार आदमी थे–कम से कम दुकान के बोर्ड पर। उनकी ईमानदारी सुबह नौ बजे खुलती थी और शाम पाँच बजे बंद हो जाती थी। बीच में लंच ब्रेक रहता था, जिसमें ईमानदारी घर चली जाती थी और व्यवहार काउंटर पर बैठ जाता था। वे कहते थे, सिस्टम ही ऐसा है। सिस्टम उनका सबसे विश्वसनीय साझेदार था।

नीलकंठ जी की दुकान कोई साधारण दुकान नहीं थी। वहाँ नमक-तेल नहीं बिकता था,वहाँ ईमानदारी,न्याय और नियम बिकते थे–रेट लिस्ट के साथ। जिनके पास पैसे थे,उनके लिए नियम नरम थे। जिनके पास नहीं थे, उनके लिए नियम सिद्धांत बन जाते थे–कठोर,भारी और कुचलने वाले।

एक दिन एक आदमी आया–सीधा-सादा, हाथ में फाइल, आँखों में उम्मीद। बोला, साहब,मेरा काम नियमों के अनुसार है।

नीलकंठ जी मुस्कुराए। यह मुस्कान वही थी जो दुकानदार उधार माँगने वाले को देता है। बोले,नियमों के अनुसार तो सब कुछ कठिन होता है।

फिर उन्होंने इशारे से दराज खोली–जहाँ नियमों के छोटे-छोटे रास्ते रखे थे।

धीरे-धीरे नीलकंठ जी की दुकान मशहूर हो गई। लोग कहते–काम हो जाता है।

किस तरह–यह कोई नहीं पूछता था।

ईमानदारी अब परिणाम से पहचानी जाने लगी थी, प्रक्रिया से नहीं।

एक दिन सरकार ने घोषणा की–अब सब कुछ पारदर्शी होगा।

नीलकंठ जी खुश हो गए। उन्होंने तुरंत काँच की अलमारी लगवा दी–ईमानदारी अब दिखने लगी थी। भीतर वही पुराना माल था, बस पैकिंग बदल गई थी। लोग प्रभावित हुए। बोले...

अब तो सब साफ़ है।

उसी दिन वही सीधा आदमी फिर आया। बोला,

साहब,अब तो पारदर्शिता है।

नीलकंठ जी ने रसीद काटी–ईमानदारी शुल्क।

काग़ज़ बहुत साफ़ था। स्याही बहुत गाढ़ी।

कुछ समय बाद जाँच बैठी। नीलकंठ जी ने वही रसीदें दिखा दीं।

जाँच संतुष्ट हो गई।

क्योंकि काग़ज़ साफ़ थे, इसलिए हाथ भी साफ़ मान लिए गए।

दुकान अब और बड़ी हो गई।

बोर्ड बदला गया–

यहाँ ईमानदारी उपलब्ध है (शर्तें लागू)।और बाहर एक लंबी कतार लग गई–उन लोगों की, जिन्हें ईमानदार दिखना था।

राष्ट्रवाद का बदलता स्वरूप सत्ता के चाहत की अभिलाषा

संजीव ठाकुर,
रायपुर,छत्तीसगढ़,

वर्तमान समय में राष्ट्र विरोध अपने सबसे जटिल,विरोधाभासी और बहुअर्थी दौर से गुजर रहा है, यह वह राष्ट्रवाद नहीं रह गया है जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान त्याग,नैतिक साहस,संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समरसता का प्रतीक था,बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रवाद बनता जा रहा है जिसे बार-बार सत्ता की भाषा में परिभाषित किया जा रहा है। आज राष्ट्र सरकार का पर्याय बनने की ओर अग्रसर है और सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यही वह बिंदु है जहाँ राष्ट्रवाद अपनी आत्मा खोने लगता है और लोकतंत्र अपने आधार,आज जब चुनावी सभाओं,टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्रवाद को धर्म,जाति, सैन्य शक्ति और भावनात्मक उन्माद के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या राष्ट्र प्रेम का अर्थ केवल सत्ता के समर्थन तक सीमित रह गया है। हाल के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि आतंकी घटनाओं,सीमा विवादों, सैन्य अभियानों और ऐतिहासिक स्मृतियों का चयनित उपयोग कर भावनात्मक ध्रुवीकरण को तेज किया गया है, असहमति को राष्ट्रद्रोह, प्रश्न को साजिश और आलोचना को देश के खिलाफ खड़े होने का प्रमाण बताया गया है। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्रों के भीतर उभरते अति राष्ट्रवाद का साझा संकट है,अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास,रूस में सत्ता केंद्रित राष्ट्रवाद,चीन में सर्वव्यापी राज्य और एशिया व अफ्रीका में सैन्य प्रभुत्व की राजनीति यह संकेत देती है कि राष्ट्रवाद अब नागरिकों को सशक्त करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने का माध्यम बनता जा रहा है। भारत जैसे विविधता से भरे समाज में यह परिवर्तन और भी खतरनाक है क्योंकि यहाँ राष्ट्र का अर्थ बहुलता, सह अस्तित्व और संवैधानिक संतुलन से जुड़ा रहा है, किंतु वर्तमान राजनीतिक विमर्श में बहुलता को कमजोरी और असहमति को बाधा के रूप में चित्रित किया जा रहा है, सत्ता की निरंतरता के लिए जातिगत समीकरणों का सूक्ष्म लेकिन आक्रामक उपयोग, धार्मिक पहचान का राजनीतिकरण और लोकलुभावन योजनाओं की होड़ लोकतंत्र को तात्कालिक लाभ की राजनीति में कैद कर रही है। मुफ्त उपहार, नकद हस्तांतरण और प्रतीकात्मक घोषणाएँ जनता को क्षणिक संतोष तो देती हैं लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन,शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत सुधार जैसे मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल देती हैं, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति माना जाता है, किंतु आज सत्ता को स्थायित्व और राष्ट्रहित को सत्ता की निरंतरता से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है,इससे अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को वैधता मिलने लगती है। हाल के वर्षों में दलबदल की बढ़ती घटनाएँ, विचारधारा से अधिक सत्ता की प्राथमिकता और राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का क्षरण यह दर्शाता है कि राजनीति सिद्धांत से नहीं बल्कि अवसर से संचालित हो रही है। जातिवादी मतदान और पहचान आधारित ध्रुवीकरण के कारण खाप पंचायतों जैसी समानांतर सत्ता संरचनाएँ पुनः सामाजिक स्वीकृति पाने लगी हैं, जो संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है, धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक आदर्शों के बावजूद धार्मिक आस्थाओं के नाम पर नीतिगत हस्तक्षेप और व्यक्तिगत जीवनशैली पर नियंत्रण यह प्रश्न उठाता है कि राष्ट्रवाद कहीं नागरिक स्वतंत्रताओं का शत्रु तो नहीं बनता जा रहा,पशु व्यापार,भोजन की पसंद और सांस्कृतिक व्यवहार जैसे विषय जब राज्य के नियंत्रण का विषय बनते हैं तब लोकतंत्र का स्वरूप धीरे-धीरे नैतिक निगरानी में बदलने लगता है,अति राष्ट्रवाद का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि वह भय पैदा करता है,भय बाहरी शत्रु का, भय आंतरिक दुश्मन का और भय असहमति का,और भय जब राजनीति का आधार बनता है तब लोकतंत्र केवल चुनावी औपचारिकता बनकर रह जाता है, इतिहास साक्षी है कि बीसवीं सदी में जर्मनी, इटली और स्पेन में इसी भय आधारित राष्ट्रवाद ने फासीवाद को जन्म दिया, एशिया में पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया में सुरक्षा और राष्ट्ररक्षा के नाम पर सैन्य प्रभुत्व लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करता रहा है, भारत में भी यदि राष्ट्रवाद को केवल सैन्य शक्ति,बहुमत की भावना और नेता-केंद्रित आस्था से जोड़ा गया तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त संतुलन को कमजोर करेगा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता और कानून के समक्ष समानता का नाम है, किंतु वर्तमान विमर्श में बहुमत को अंतिम सत्य और संख्या को नैतिक वैधता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

–सम्पादक

ग्राम परसोड़ीकला के ग्रामीणों का कलेक्टर से अवैध खदान और फर्जी एफआईआर के खिलाफ न्याय की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के ग्राम परसोड़ीकला के ग्रामवासियों ने कलेक्टर महोदय को एक आवेदन प्रस्तुत कर, 3 दिसंबर 2025 को हुए अत्याचार और अवैध खदान के विस्तार के खिलाफ न्याय की मांग की है। ग्रामवासियों का आरोप है कि एस.ई.सी.एल. के अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने बिना ग्राम सभा की अनुमति और सूचना के, ग्राम परसोड़ीकला में गैर कानूनी तरीके से अमेरा खुली खदान का विस्तार किया। इस दौरान,प्रशासन ने ग्रामवासियों पर अत्याचार करते हुए मारपीट की, अश्रु गैस के गोले फेंके, महिलाओं को बेहोश कर जेल ले गए और ग्रामीणों की कृषि भूमि,सिंचाई साधनों को नुकसान पहुँचाया। इसके साथ ही दो बकरों और एक बकरी को भी साथ लेकर चले गए। ग्रामवासियों का कहना है कि भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची और वन अधिकार अधिनियम के तहत,उनके पास सामुदायिक वन अधिकार है,और किसी भी प्रकार का खदान अधिग्रहण या विस्तार बिना ग्राम सभा के प्रस्ताव के कानूनी नहीं हो सकता। उनका आरोप है कि प्रशासन ने यह सभी काम अवैध तरीके से किए और उन्हें प्रशासनिक शक्ति का गलत लाभ उठाया। ग्रामवासियों ने कलेक्टर महोदय से इस घटना की निष्पक्ष जांच करवाने की अपील की है। साथ ही, उन्होंने 150 ग्राम सभा सदस्यों के खिलाफ लगाए गए फर्जी एफआईआर को रद्द करने, अवैध खदान को तुरंत बंद कराने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि कलेक्टर महोदय 24 दिसंबर तक उचित कानूनी कार्यवाही नहीं करते हैं, तो वे सरगुजा संभाग की सभी ग्राम सभाओं के साथ मिलकर बिलासपुर हाईवे रोड पर चक्का जाम कर एक दिवसीय शांतिपूर्वक हड़ताल करने के लिए मजबूर होंगे। ग्रामसभा ने अपनी मांगों के समर्थन में कलेक्टर से न्याय की आशा जताई है,ताकि ऐसे अत्याचारों का भविष्य में कोई स्थान न हो और ग्रामवासियों का सम्मान बनाए रखा जा सके।

भाजपा सरगुजा में जिलाध्यक्ष को लेकर आंतरिक मतभेद,पार्टी में मची हलचल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के सरगुजा जिले में संगठन में आंतरिक मतभेद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। पार्टी के कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता अब जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया को हटाने की बात कर रहे हैं। यह विवाद हाल ही में सामने आया, जब भाजपा के कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता पिकनिक के लिए बाहर गए थे,और वहां म्यूजिक सिस्टम पर डांस करते हुए एक वीडियो में नारेबाजी करते हुए नजर आए। इस वीडियो में कार्यकर्ताओं को 'भारत सिंह सिसोदिया को हटाओ' और 'कमलेश तिवारी जिन्दाबाद' जैसे नारे लगाते हुए देखा गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया,जिससे पार्टी के भीतर आंतरिक असंतोष और विवाद को और बल मिला है। यह घटना हाल ही में हुई थी, जब भाजपा और भाजयुमो के कुछ प्रमुख कार्यकर्ता और पदाधिकारी एक पिकनिक स्थल पर गए थे। वहां म्यूजिक सिस्टम पर गाने बज रहे थे और कार्यकर्ता डांस कर रहे थे। इस दौरान, वीडियो में यह देखा गया कि भाजपा के मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी और कुछ अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी भारत सिंह सिसोदिया के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। वीडियो में साफ तौर पर यह कहा जा रहा था कि 'भारत सिंह सिसोदिया को हटाओ' और 'अध्यक्ष बनेगा' जैसे नारों का गूंज रहा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद भाजपा संगठन में हलचल मच गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और संगठन के प्रमुख इस मामले को गंभीरता से लेकर विचार कर रहे हैं कि क्या इस विवाद का कोई समाधान निकाला जा सकता है और इस पर किस तरह की कार्रवाई की जानी चाहिए। इस विवाद के बाद जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा,'अगर कोई कह रहा है कि मुझे हटाना चाहिए,तो पार्टी इस मुद्दे पर विचार करेगी और जो भी उचित होगा, वह करेगी। मैं अभी तक वीडियो नहीं देखा है, लेकिन अगर कोई ऐसा कह रहा है तो पार्टी इसे संज्ञान में लेगी।

आंतरिक असंतोष का असर

यह घटना भाजपा के सरगुजा संगठन में बढ़ते आंतरिक मतभेदों का इशारा कर रही है। इससे यह भी प्रतीत होता है कि पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं के बीच एकजुटता की कमी है और संगठन में कुछ बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है।

गड्ढे और ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

-संवाददाता-
राजपुर,22 दिसम्बर 2025(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर में आज राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर एक भीषण दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। राजपुर तहसील कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग में गड्ढे और खराब सड़क के कारण युवक का बाइक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर बाइक सवार गिर गया। इस दौरान पीछे से आ रही ट्रक से कुचलकर उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 -8111 का चालक परसा गुड़ी भदरापारा की ओर से बलरामपुर की ओर जा रहा था। राजपुर तहसील के सामने मुख्य मार्ग पर गड्ढे में बाइक लहरा कर गिर गई और पीछे से तेज ट्रक की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटनाकारित ट्रक क्रमांक सीजी 15-2549 ने उसे कुचल दिया और ड्राइवर मौके से ट्रक छोड़कर फरार हो गया,राजपुर पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उसे राजपुर में पहचान हेतु रखा गया है। इधर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लेट लतीफी के कारण और मरम्मत कार्य में लापरवाही से कई मौतें हो रही हैं।

सड़क निर्माण की गति धीमी, मनमाने दबाव का लग रहा आरोप

राजपुर नगर के मुख्य मार्ग में इन दोनों अपने फायदे के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के ठेकेदार को भ्रमित किया जा रहा है जिसके कारण मानकों के विपरीत सड़क निर्माण करने के दबाव के कारण भी सड़क निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। इधर बलरामपुर जिले के नागरिकों ने सड़क ठेकेदार और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को उच्च गुणवत्ता के सड़क निर्धारित मानक के अनुरूप ही बनाने का आग्रह किया है।क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण में तेजी लाकर मुख्य मार्ग में पानी का छिड़काव करने और गधों को भरने का भी निर्देश दिया है। यदि शीघ्र ही इस मार्ग में निर्माण के दौरान खराब सड़क और गड्ढे का ध्यान नहीं रखा गया तो सड़क दुर्घटनाएं खतरनाक स्थिति में पहुंच रही है।

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस उत्सव में नवनी कान्त दत्ता होंगे शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस उत्सव का आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का थीम है 'डिजिटल न्याय के माध्यम से कुशलता पूर्वक त्वरित निपटान ', जिसका उद्देश्य उपभोक्ता विवादों के समाधान को अधिक पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी बनाना है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा नामित 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी भाग लेगा, जिसमें अंबिकापुर से जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य नवनी कान्त दत्ता भी शामिल हैं। इस उत्सव में विभिन्न राज्यों के राज्य और जिला उपभोक्ता आयोगों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। छत्तीसगढ़ से भेजे गए प्रतिनिधिमंडल में श्रीनिवास तिवारी (रजिस्ट्रार), प्रमोद वर्मा (सदस्य), आनंद कुमार सिंघल (बिलासपुर), छमेश्वर लाल पटेल (रायगढ़) समेत अन्य सदस्य भी शामिल हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता आयोगों को पेपरलेस बनाना और ई-जागृति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन एवं ई-हियरिंग की सुविधा प्रदान करना है, ताकि दूरदराज के क्षेत्र के नागरिक भी आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज कर सकें और त्वरित न्याय प्राप्त कर सकें।

मजबूत मन,मजबूत जीवन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

उदयपुर स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में विजन समाजसेवी संस्था द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'मजबूत मन, मजबूत जीवन' था, जिसका उद्देश्य बच्चों में मानसिक मजबूती और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में समाजसेवी संतोष दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं का कठिन संघर्ष और अनुशासन देखकर यह कहना बिल्कुल सही होगा कि वे मानसिक रूप से काफी मजबूत हैं। उन्होंने बच्चों को जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी और कहा कि 'कभी भी जीवन से हार मत मानो, पढ़ाई में नंबर कम आ सकते हैं, लेकिन जीवन में नंबर कभी कम नहीं होना चाहिए। 'कार्यक्रम की संयोजिका, अधिवक्ता और समाजसेवी शिल्पा पाण्डेय ने कहा कि एक मजबूत मन ही समाज की बुनियाद है। उन्होंने बच्चों को अपने माता-पिता की परवरिश के संघर्ष को याद रखने की सलाह दी और कहा कि जीवन में कभी भी निराशा नहीं आनी चाहिए। शिल्पा पाण्डेय ने यह भी बताया कि सकारात्मक सोच से ही एक मजबूत जीवन का निर्माण होता है।

इस कार्यक्रम में कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका सरोजिनी प्रमिला ने विजन समाजसेवी संस्था के प्रयासों की सराहना की और बच्चों की मानसिक मजबूती को जीवन का सबसे अहम हिस्सा बताया। कार्यक्रम में लगभग 200 बच्चियों ने भाग लिया और कई बच्चियों ने अपनी मानसिक समस्याओं को लिखित रूप में समाजसेवी शिल्पा पाण्डेय से साझा किया। शिल्पा पाण्डेय ने उन बच्चियों की एक-एक करके काउंसलिंग की और उन्हें जीवन में सकारात्मक रहने की प्रेरणा दी।

विकासखंड प्रतापपुर में ब्लूप्रिंट प्रश्न निर्माण एवं शिक्षण शास्त्र प्रशिक्षण संपन्न

'शिक्षकों को ब्लूप्रिंट का उपयोग कर कक्षा 10वीं और 12 वीं के बच्चों की करनी चाहिए पहचान'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं को प्रावीण्य सूची में स्थान दिलाने के उद्देश्य से विकासखंड प्रतापपुर में 17 से 21 दिसंबर तक पांच दिवसीय ब्लूप्रिंट प्रश्न निर्माण एवं शिक्षण शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विज्ञान विषय के व्याख्याताओं को आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों और बोर्ड परीक्षा के पैटर्न से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान जिला स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स ने गहन सत्र आयोजित किए, जिनमें ब्लूप्रिंट के आधार पर अंकों का विभाजन, कठिन विषयों को सरल बनाने की तकनीक और महत्वपूर्ण अध्यायों से प्रश्न तैयार करने की विधि पर चर्चा की गई। रसायन विज्ञान की विशेषज्ञ श्रद्धा गुप्ता, गणित के व्याख्याता रविन्द्र सोनी, भौतिकी के विशेषज्ञ एसके गुप्ता और जीव विज्ञान के व्याख्याता देव रतन रवि ने संबंधित विषयों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सतत विकास के लक्ष्यों (एसडीजी) पर राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त,ब्लूम टैक्सनॉमी,एनसीएफ भारतीय ज्ञान परंपरा और विद्यालय में सीखने हेतु उपयुक्त वातावरण पर भी सत्र आयोजित किए गए। संयुक्त संचालक संजय गुप्ता ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण करते हुए शिक्षकों को प्रेरित किया और कहा कि ''शिक्षकों के हाथ में विद्यार्थियों का भविष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को ब्लूप्रिंट का उपयोग कर कक्षा 10वीं और 12वीं के बच्चों की पहचान करनी चाहिए,जिन्हें विशेष मार्गदर्शन की आवश्यकता हो। विकासखंड शिक्षा अधिकारी एमएस धुर्व ने प्रशिक्षण की सार्थकता पर जोर देते हुए शिक्षकों से विद्यालयों में इसे लागू करने की अपील की और परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए तकनीकी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी,कांग्रेस की गलत नीतियों के विरुद्ध हर मोर्चे पर डटेगा युवा मोर्चा : निशांत सिंह सोलू

निशांत सिंह सोलू बने भाजयुमो सरगुजा जिलाध्यक्ष,संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी सरगुजा युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष निशांत सिंह सोलू ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी क्षमता के साथ कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के सशक्त और मार्गदर्शक नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता ऊर्जा से लबालब हैं तथा कांग्रेस की जनविरोधी और गलत नीतियों के विरुद्ध हर स्तर पर मोर्चा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। निशांत सिंह सोलू ने जिला एवं शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर खरा उतरते हुए वे सभी भाजयुमो कार्यकर्ताओं के साथ समर्पण भाव से संगठन हित में कार्य करेंगे। उल्लेखनीय है कि गत दिवस जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के अनुमोदन पर प्रदेश भाजपा द्वारा युवा मोर्चा जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई, जिसमें निशांत सिंह सोलू को सरगुजा भाजयुमो जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। निशांत सिंह सोलू वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्राथमिक वर्ग के प्रशिक्षित स्वयंसेवक हैं। वे युवा क्षत्रिय महासभा के सचिव, बजरंग सेवा समिति से जुड़े रहने के साथ-साथ भाजयुमो में नगर मंत्री, नगर उपाध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफल निर्वहन कर चुके हैं। उनके अनुभव से संगठन को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है।

अवैध धान संग्रहण पर जिला प्रशासन की सख्ती,486 क्विंटल धान जप्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नवपदस्थ कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिले में अवैध धान संग्रहण के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से सघन जांच और कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में आज राजस्व विभाग,खाद्य विभाग एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने अम्बिकापुर शहर में कार्रवाई करते हुए महामाया ट्रेडिंग,भगवती ट्रेडिंग एवं श्री श्याम ट्रेडिंग के परिसरों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान इन तीनों प्रतिष्ठानों में बड़ी मात्रा में धान का भंडारण पाया गया, जिसके संबंध में संबंधित व्यापारियों द्वारा वैध अनुमति अथवा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

दस्तावेजों के अभाव में टीम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 486 क्विंटल अवैध धान जप्त किया गया। जप्त किए गए धान को सुरक्षित रूप से अभिरक्षा में लेकर आगे की वैधानिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य लागू प्रावधानों के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित है और किसानों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो,इसके लिए अवैध संग्रहण,जमाखोरी एवं अनियमित व्यापार पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संयुक्त टीमों द्वारा निरंतर निरीक्षण कर ऐसे मामलों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि जिले में अवैध रूप से धान का संग्रहण, परिवहन या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने व्यापारियों से अपील की है कि वे शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए वैध दस्तावेजों के साथ ही धान का क्रय-विक्रय करें।

पीलिया से पीड़ित व्यक्ति ने चाकू से खुद का गला रेतकर की आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पीलिया पीड़ित व्यक्ति ने खुद का गला रेतकर आत्महत्या कर ली। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह पिछ्ले 1 सप्ताह से पीलिया बीमारी से पीड़ित था। परिजन उसे इलाज कराने के बजाए झाड़-फूंक करा रहे थे। जानकारी के अनुसार अबूचंद यादव उम्र 60 वर्ष रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ का रहने वाला था। वह पिछ्ले दो साल से पत्थलगांव जशपुर में अपनी बहन के घर रह रहा था। वह पिछ्ले 1 सप्ताह से पीलिया बीमारी से पीड़ित था। परिजन अस्पताल में उसका इलाज कराने के बजाए गांव में ही झाड़-फूंक करा रहे थे। इलाज न होने के कारण उसकी स्थिति बिगड़ती चली गई। बीमारी से परेशान होकर वह चाकू से गला रेत लिया। 21 दिसंबर की रात करीब 9 बजे बहन भोजन करने के लिए उठाने उसके कमरे में गई तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। खिडक़ी से झांकर देखे तो वह खून से लतपथ छ्टपटा रहा था। परिजन दरवाजा तोडक़र अंदर घुसे और उसे इलाज के लिए पत्थलगांव अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोरिया-एमसीबी में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2025 का भव्य शुभारंभ....

स्वास्थ्य मंत्री व कलेक्टर ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी,22 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया और एमसीबी जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2025 का शुभारंभ जिला अस्पताल, एमसीबी में भव्य और विधिवत रूप से किया गया। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वयं बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर नगर निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, कोरिया-एमसीबी में पल्स पोलियो अभियान 2025 की शुरुआत उत्साह और मजबूत तैयारी के साथ हुई है। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और जनसहभागिता के समन्वय से शत-प्रतिशत लक्ष्य की ओर अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है।

51 हजार बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य : मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 51 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, यह अभियान 21, 22 और 23 दिसंबर–तीन दिनों तक चलेगा,पहला दिनः सभी बूथों पर टीकाकरण,दूसरा-तीसरा दिनः घर-घर जाकर छूटे बच्चों को दवा,बूथः 542,कर्मीः लगभग 1800,प्रगतिः समाचार लिखे जाने तक करीब 85 प्रतिशत बच्चों को खुराक दी जा चुकी थी

जिला अस्पताल का निरीक्षण, सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश

अभियान के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र राय ने मरीजों की संख्या, आवागमन और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी,मंत्री ने निर्देश दिए कि अस्पताल में सुविधाओं को और बेहतर किया जाए तथा भरोसा दिलाया कि रायपुर और बिलासपुर जैसी उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं भविष्य में एमसीबी जिले में भी उपलब्ध कराई जाएंगी। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने भर्ती बच्चों से मुलाकात कर फ्रूट बास्केट भी वितरित किए।

तकनीकी रणनीति और वैक्सीन आपूर्ति

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मो. वसिक असद ने वैक्सीन आपूर्ति और लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अभियान की निगरानी सतत की जा रही है ताकि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल हो सके।

कोरिया जिले में 28 हजार बच्चों ने पी पोलियो की दवा

कोरिया जिले में कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के नेतृत्व में 28,640 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। कलेक्टर ने स्वयं बच्चों को दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल, पटना बीएमओ डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा और सोनहत क्षेत्र में डॉ. बलवंत सिंह के मार्गदर्शन में टीकाकरण किया गया।

तहसीलवार आंकड़े

- **पटनाः** 17,635
- **सोनहतः** 5,652
- **बचरापोंडी:**5,353
- **कुलः** 28,640 बच्चे

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान से पूर्व चलाए गए जागरूकता कार्यक्रम का सकारात्मक असर दिखा और बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने आगे आए।

जिसका मर्डर हो चुका था,वही पहुंच गया थाने... जशपुर में जिंदा लाश केस ने पुलिस को कर दिया हैरान

-संवाददाता-
जशपुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक ऐसा मामला सामने आया है,जिसने पुलिस से लेकर गांव तक सभी को चौंका दिया। जिस युवक को पुलिस ने मरा हुआ घोषित कर दिया,जिसकी अधजली लाश मिली, जिसके मर्डर में दोस्त जेल भेज दिए गए-वही युवक 61 दिन बाद जिंदा,सही-सलामत थाने पहुंच गया और बोला, साहब... मैं जिंदा हूं,मेरा मर्डर नहीं हुआ है। इसके बाद जो हुआ,उसने पूरी जांच की नींव हिला दी। हालांकि अब पुलिस कर रही है कि गिरफ्तार युवकों की रिहाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दरअसल,शनिवार यानी 20 दिसंबर की रात सिटी कोतवाली थाना उस वक्त हैरानी का केंद्र बन गया,जब ग्राम पंचायत सिटोंगा की सरपंच कल्पना खलखो एक युवक को लेकर थाने पहुंचीं। युवक का नाम था-सीमित खाखा (30)। यही वही नाम था, जिसकी हत्या का केस पुलिस सुलझा चुकी थी। सरपंच ने बताया कि सीमित झारखंड से लौटकर बस से उतरा और ऑटो में बैठा। ऑटो चालक ने उसे पहचान लिया और तुरंत फोन कर दिया- जिसके मर्डर में लोग जेल में हैं, वही युवक मेरे ऑटो में बैठा है! थाने में सीमित ने पुलिस को बताया कि वह रोजगार की तलाश में झारखंड गया था। रांची पहुंचने के बाद साथियों से बिछड़ गया और गिरिडीह जिले के सरईपाली गांव में खेतों में मजदूरी करने लगा। उसके पास मोबाइल नहीं था, इसलिए घर या गांव से संपर्क नहीं हो पाया। क्रिसमस मनाने घर लौट रहा था, तभी उसे खुद पता चला कि वह तो मर चुका है। बता दें कि पूरा मामला 22 अक्टूबर का है। सिटी कोतवाली क्षेत्र के पुरनानगर-बालाछापर के तुरीटोंगरी जंगल में एक युवक की अधजली लाश मिली थी। चेहरा और शरीर का बड़ा हिस्सा जला हुआ था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत को हत्या बताया गया,जिसके बाद पुलिस ने सीमित खाखा को मृत मान लिया।

दोस्त बने आरोपी,अब पुलिस के सामने बड़े सवाल

जांच में पुलिस ने सीमित के तीन साथियों रामजीत राम, विरेंद्र राम,एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। आरोप था कि शराब पीने के दौरान कमीशन के पैसों को लेकर झगड़ा हुआ,जिसमें सीमित की चाकू और लोहे की रॉड से हत्या कर दी गई और सबूत मिटाने के लिए शव जला दिया गया। दूसरी ओर,सीमित के जिंदा मिलने से पुलिस के सामने कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिस अधजली लाश का पोस्टमॉर्टम हुआ, वह किसकी थी? अगर सीमित जिंदा है, तो असल में मारा कौन गया? उसके दोस्तों ने हत्या की बात कबूल क्यों की? क्या जांच में कहीं बड़ी चूक हुई?

अब आरोपियों की रिहाई की तैयारी

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि असली मृतक की पहचान के लिए विशेष जांच टीम बनाई गई है। उन्होंने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पहले कार्रवाई हुई थी, लेकिन अब गिरफ्तार आरोपियों की रिहाई के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

राष्ट्रीय गणित दिवस 2025 पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस 2025 का आयोजन 17 दिसंबर से 22 दिसंबर 2025 तक किया गया। यह कार्यक्रम CGCOST, NCSTC तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 17 दिसंबर को उद्घाटन सत्र एवं परिचयात्मक व्याख्यान के साथ हुआ। इस दौरान छात्राओं को गणित के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया तथा इस 'शून्य से अनंत तकः भारतीय गणित की विरासत 'विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। 19 दिसंबर को विशेषज्ञों द्वारा 'दैनिक भारतीय जीवन में गणित' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। इसी दिन भारतीय गणितज्ञों एवं उनके योगदान पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन पर आधारित चलचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। 20 दिसंबर को छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु भाषण प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'रामानुजन का योगदान एवं भारतीय सभ्यता में गणित' रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं 'रंगोली सममिति' विषय पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में गणित और कला का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतिम दिन 22 दिसंबर को 'मंदिर स्थापत्य में ज्यामिति' विषय पर मॉडल एवं पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने भारतीय वास्तुकला में निहित गणितीय सिद्धांतों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात 'प्राचीन भारतीय ग्रंथों में गणितः शुल्ब सूत्र से खगोल विज्ञान तक' तथा 'शून्य से अनंत तकः भारतीय गणित की विरासत 'विषय पर व्याख्यान दिए गए। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। राष्ट्रीय गणित दिवस 2025 का यह आयोजन भारतीय गणितीय विरासत को समझने एवं गणित के प्रति रुचि विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रा.से.यो. के छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति यातायात के संबंध में किया गया जागरूक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल आईपीएस के निर्देशन एवं श्री अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो के मार्गदर्शन में सरगुजा पुलिस एवं नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा की टीम द्वारा निरंतर यातायात, नशामुक्ति एवं साइबर फ्राड विषय पर जन समुदाय को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 22/12/25 को विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित शिविर ग्राम अजिरमा में बौद्धिक परिचर्चा के तहत् मुख्य अतिथि उप निरीक्षक अभय तिवारी विशिष्ट अतिथि संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी अम्बिकापुर एवं विशिष्ट अतिथि पुष्प मित्र मल्तियार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा के आतिथ्य में नशामुक्ति यातायात, साइबर अपराध, संशोधित कानून 2024 एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उप निरीक्षक अभय तिवारी ने छात्र -छात्राओं को यातायात के प्रावधानों के संबंध में आंकड़ों सहित रोचक ढ़ंग से जानकारी दिया। विशिष्ट अतिथि संयोजक नवा बिहान मंगल पाण्डेय ने नशा,नशे की लत,नशे के विभिन्न उत्पादों एवं नशे की लत लगने के कारणों सहित नशे की लत के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया।साथ ही व्यक्तित्व विकास विषय पर छात्र -छात्राओं की समझ विकसित की गई।

इसी कड़ी में विशिष्ट अतिथि पुष्प मित्र मल्तियार ने साइबर अपराध, साइबर अपराधों से सुरक्षा एवं नए संशोधित कानून 2024 के संबंध में छात्र -छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राकेश राय राष्ट्रीय सेवा योजना, भावना सिंह सहायक कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना, व्याख्यता श्वेता सिंह एवं कविता सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला कोरिया के नए जिला संयोजक बने बलबीर पुषाम

-संवाददाता-
कोरिया,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) छत्तीसगढ़ प्रदेश का 58वां प्रदेश अधिवेशन 19 से 21 दिसंबर तक भगवान बिरसा मुंडा नगर, भिलाई (दुर्ग) में आयोजित किया गया, अधिवेशन के अंतिम दिन संगठन ने कोरिया जिले के चर्चित और लोकप्रिय छात्र नेता बलबीर पुषाम को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें जिला संयोजक, कोरिया नियुक्त किया, एबीवीपी की इस घोषणा के साथ ही जिलेभर के छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला, बलबीर पुषाम लंबे समय से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े हुए हैं और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा संघर्षशील नेतृत्व के कारण वे छात्रों के बीच विशेष पहचान रखते हैं, बलबीर पुषाम की नियुक्ति कोरिया जिले में एबीवीपी के संगठनात्मक विस्तार और छात्र आंदोलनों को नई ऊर्जा देने वाली मानी जा रही है, छात्र राजनीति में उनके अनुभव और सक्रियता से संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

छात्रहित के संघर्षो से बनी पहचान : बलबीर पुषाम कोरिया जिले के उन छात्र नेताओं में गिने जाते हैं, जिनके साथ हजारों विद्यार्थियों का भरोसा और स्नेह जुड़ा है, एबीवीपी में अपने संगठनात्मक सफर के दौरान उन्होंने नगर मंत्री और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया, उन्होंने हमेशा छात्रहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी और शिक्षा, फीस, सुविधाओं एवं अधिकारों को लेकर कई छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया, विशेष बात यह रही कि उन्होंने कांग्रेस शासनकाल में भी छात्रों के अधिकारों की आवाज उतनी ही मजबूती से उठाई, जितनी भाजपा शासन में। इससे उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनके लिए सरकार नहीं, छात्रों का हित सर्वोपरि है।

जिम्मेदारी बढ़ी, मेहनत दोगुनी होगी

जिला संयोजक बनने के बाद बलबीर पुषाम ने कहा इस दायित्व के साथ मेरी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। मेरा प्रयास रहेगा कि पहले से दोगुनी मेहनत और लगन के साथ संगठन को आगे बढ़ाऊं और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रहूं, उन्होंने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एबीवीपी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

सरगुजा कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की कलेक्टर अजीत बसंत से मुलाकात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सोमवार को नए पदस्थ कलेक्टर अजीत बसंत से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष कौशलेन्द्र पांडेय, जिला संयोजक कमलेश सोनी, राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष डॉ. सीके मिश्रा, संजय सिंह, अनिल तिवारी, अमित वर्मा, लक्ष्मण सिंह, नवीन गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। फेडरेशन के सदस्यों ने कलेक्टर अजीत बसंत को उनके नए कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दीं और जिले के विकास के लिए मिलकर काम करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने कर्मचारियों से सकारात्मक सहयोग की उम्मीद जताई और जिले में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी से समर्थन मांगा।

सरगुजा जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन, 1,30,212 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2025(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 21 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को जिले के कुल 937 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई गई। जिले में लक्ष्यित 1,42,085 बच्चों में से 1,30,212 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई, जिससे कुल उपलब्धि लगभग 91.65 प्रतिशत रही। शेष बच्चों को कवर करने हेतु 22 दिसंबर 2025 एवं 23 दिसंबर 2025 को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाने का कार्य किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 दिसंबर 2025 को जिला अस्पताल में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, राजेन्द्र प्रसाद वार्ड की पार्षद श्रीमती ममता तिवारी, कबीर वार्ड की पार्षद श्रीमती किरण साहू एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर द्वारा 0 से 05 वर्ष के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर किया गया।

चिरमिरी क्षेत्र को आज विकास की बड़ी सौगात...एक ही दिन में तीन महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

चिरमिरी-अब सिर्फ खनन नहीं,ज्ञान और कौशल का केंद्र : श्याम बिहारी जायसवाल

चिरमिरी में विकास का दिनः शिक्षा और अधोसंरचना को नई दिशा

एक दिन,तीन भूमिपूजन, भविष्य के तीन मजबूत स्तंभ

रवि सिंह

एमसीबी/मनेंद्रगढ़/चिरमिरी 22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। एजुकेशन हब के रूप में चिरमिरी को विकसित करने की दिशा में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने बड़ी पहल की है, मंत्री जायसवाल ने अकेले चिरमिरी को करीब 15 करोड़ रुपये की शिक्षा आधारित विकास योजनाओं की सौगात दी है,इन योजनाओं के तहत नालंदा परिसर लाइब्रेरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन,और नवीन पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन का भूमिपूजन किया गया, इन तीनों परियोजनाओं की कुल लागत 14 करोड़ 61 लाख 82 हजार रुपये है, यह पहल चिरमिरी को शिक्षा के मानचित्र पर नई पहचान दिलाने वाली मानी जा रही है, चिरमिरी क्षेत्र के लिए आज का दिन विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है, क्षेत्र में शिक्षा और बौद्धिक अधोसंरचना को मजबूती देने की दिशा में तीन बड़े निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया, यह सभी कार्यक्रम श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

चिरमिरी को लंबे समय तक एक औद्योगिक और खनन

आधारित क्षेत्र के रूप में पहचाना गया,लेकिन आज का दिन संकेत देता है कि यह क्षेत्र अब केवल अतीत की पहचान में नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारी में जुटा है, एक ही दिन में लाइब्रेरी, स्कूल और पॉलीटेक्निक कॉलेज ये तीनों परियोजनाएं बताती हैं कि विकास का अर्थ केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि मानव संसाधन का निर्माण है, सेंट्रल लाइब्रेरी ज्ञान की भूख को दिशा देगी, स्कूल भवन आधार मजबूत करेगा और पॉलीटेक्निक कॉलेज युवाओं को हुनर से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाएगा। यह क्रम बताता है कि यदि नीति और नीयत स्पष्ट हो, तो सीमावर्ती और अपेक्षाकृत उपेक्षित क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण विकास संभव है, हालांकि, असली परीक्षा अब शुरू होती है निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और बाद की देखरेख, यदि इन तीनों पर समान ध्यान दिया गया, तो चिरमिरी आने वाले वर्षों में शिक्षा और कौशल विकास का एक मजबूत केंद्र बन सकता है, आज का भूमिपूजन केवल शिलान्यास नहीं, बल्कि यह सवाल भी छोड़ता है क्या हम इन परियोजनाओं को कागज से जमीन तक ही नहीं, बल्कि जमीन से परिणाम तक पहुंचा पाएंगे यदि जवाब 'हां' है, तो चिरमिरी का भविष्य निश्चित ही उज्ज्वल है।

परियोजनाओं का विवरण

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी दी कि 4.29 करोड़ की लागत से नालंदा परिसर में 250 सीटर अत्याधुनिक लाइब्रेरी, 1.21 करोड़ की लागत से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोरिया का नया भवन और 9.11 करोड़ की लागत से नवीन पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन का भूमिपूजन किया गया, यह पॉलिटेक्निक कॉलेज क्षेत्र के युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा का बड़ा केंद्र बनेगा, मंत्री ने कहा कि विष्णुदेव साय के नेतृत्व और नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकार के कारण विकास के रास्ते खुले हैं, जिसका लाभ चिरमिरी को लगातार मिलता रहेगा। चिरमिरी की कई पीढ़ियों का सपना चिरमिरी के शैक्षणिक इतिहास में एक नया अध्याय तब जुड़ा, जब चिरमिरी पोड़ी में नवीन पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन का भूमिपूजन किया गया, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इसे केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि पीढ़ियों के सपनों की साकार अभिव्यक्ति बताया, उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में पॉलिटेक्निक कॉलेज की शुरुआत हुई और महज एक साल में उसके स्थायी भवन की स्वीकृति मिली यह सरकार की नीयत और प्रतिबद्धता का प्रमाण है, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि घोषणाएं तो हुईं, पर काम धरातल पर नहीं उतरा। 'हम नाम के पीछे नहीं, काम को बड़ा मानते हैं, यह स्पष्ट संदेश उन्होंने मंच से दिया।

शिक्षा की परंपरा और विकास की प्रतीक्षा

एमसीबी जिला अंतर्गत चिरमिरी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ों, घने जंगलों और कोयले की खदानों के लिए प्रसिद्ध है, ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र शिक्षा का केंद्र रहा है। पुराना रेलवे स्टेशन, अनुकूल जलवायु और सहज-संतोषी जनता इसकी पहचान हैं, लंबे समय से विकास की प्रतीक्षा कर रहे चिरमिरी को अब शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत आधार मिला है, जिससे स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

सुबह से शाम तक विकास कार्यों की श्रृंखला

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11:30 बजे लाहिड़ी पीजी कॉलेज, चिरमिरी परिसर में सेंट्रल लाइब्रेरी निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों, शोधार्थियों और युवाओं के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी, जिससे उच्च शिक्षा को नया आयाम मिलेगा।

दोपहर में स्कूल भवन निर्माण का भूमिपूजन

इसके बाद दोपहर 02:00 बजे,कोरिया कॉलरी क्षेत्र में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया, इस भवन के निर्माण से क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण,सुविधाजनक कक्षाएं और आधुनिक संसाधन उपलब्ध होंगे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज भवन से तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा

कार्यक्रम की तीसरी कड़ी में दोपहर 03:30 बजे, वेस्ट चिरमिरी पोड़ी क्षेत्र में नवीन पॉलीटेक्निक कॉलेज भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया, यह परियोजना क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में मजबूत कदम

इन तीनों निर्माण कार्यों से चिरमिरी क्षेत्र में शिक्षा, अध्ययन सुविधाओं और तकनीकी कौशल विकास को मजबूती मिलेगी, स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में इन परियोजनाओं को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

जनप्रतिनिधि ने जताया विकास के प्रति संकल्प

इस अवसर पर श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि चिरमिरी क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। शिक्षा और बुनियादी ढांचे में निवेश कर ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है, उन्होंने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रमों में अधिक संख्या में उपस्थित होकर विकास की इस पहल का साक्षी बनने की अपील की।

भविष्य की शिक्षा की तैयारी

पॉलिटेक्निक कॉलेज में जीपीएस और सैटेलाइट आधारित मैपिंग से जुड़े दो नए अत्याधुनिक ट्रेड शुरू होंगे, कोलकाता के बाद सीधे चिरमिरी में ये कोर्स उपलब्ध होंगे, अगले 30 वर्षों तक युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की क्षमता

स्वास्थ्य शिक्षा में भी बड़ी सौगात

चिरमिरी में छत्तीसगढ़ का पहला 120 सीटर एएनएम नर्सिंग कॉलेज स्थापित किया जाएगा, जो स्वास्थ्य विभाग और आईआईटी से जुड़े विशेषज्ञों के सहयोग से संचालित होगा, हर दो साल में लगभग 120 युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे, साथ ही शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की व्यवस्था रहेगी।

क्षेत्रवासियों में उत्साह

भूमिपूजन कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है, स्थानीय लोगों ने इन विकास कार्यों को चिरमिरी क्षेत्र के लिए दूरगामी लाभ देने वाला कदम बताया है।

भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर चार ग्राम पंचायतों के सरपंच भाजपा में शामिल

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी बोले...अंतिम व्यक्ति तक विकास ही भाजपा का लक्ष्य

प्रेमनगर में भाजपा को मजबूती चार सरपंचों ने थामा पार्टी का दामन

सरपंचों का भाजपा पर भरोसा प्रेमनगर में हुआ बड़ा राजनीतिक जुड़ाव

-संवाददाता-

सूरजपुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली, जनकल्याणकारी नीतियों और विकास के दृष्टिकोण से प्रभावित होकर प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के चार ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। यह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, भाजपा में शामिल होने वाले सरपंचों में ग्राम पंचायत लाछा की इजोरिया सिंह, झांसी के मदन सिंह, पीढ़ा के उमेश सिंह और कुरुवां के सरपंच अनेश टोप्पो शामिल हैं। सरपंचों के साथ बड़ी संख्या में पंच एवं ग्रामीण समर्थक भी भाजपा में शामिल हुए, विधायक मरावी ने सभी नवप्रवेशी सदस्यों को भगवा गमछा भेंट कर और मुंह मीठा कराकर विधिवत पार्टी में स्वागत किया, ग्रामीण नेतृत्व के भाजपा से जुड़ने को संगठन विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, सरपंचों के इस निर्णय से प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की स्थिति और अधिक मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। **भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टीः**

मरावी : इस अवसर पर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और इसका लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाएं और राष्ट्रहित में लिए गए निर्णयों से प्रभावित होकर आज ग्रामीण नेतृत्व और जनप्रतिनिधि पार्टी से जुड़ रहे हैं, जो भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है, उन्होंने नरेंद्र मोदी और विष्णुदेव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में ऐसे विकास कार्य हो रहे हैं जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। मरावी ने नवप्रवेशी सरपंचों से निरंतर संवाद बनाए रखने और गांवों की विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी सीधे साझा करने की अपील की।

भाजपा को मिलेगी नई मजबूती : विधायक मरावी ने कहा कि सरपंचों और उनके समर्थकों के भाजपा से जुड़ने से संबंधित गांवों के विकास को नई गति मिलेगी और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रभारी शिवनाथ यादव, जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, वरिष्ठ नेता भीमसेन अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृपाल साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे,मंच संचालन भाजपा जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग ने किया, इसके अलावा संत सिंह, संदीप अग्रवाल,अरविंद मिश्रा,विजय नारायण राजवाड़े,सुरेंद्र राजवाड़े,अजय अग्रवाल (अज्जू),धर्मवीर सोनी, नीरज कुमार गुप्ता, पवन साहू,संजू सोनी,तिलक राजवाड़े, सतवीर सिंह, कौशल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी ऑफिस में पदस्थ हेड कांस्टेबल चरित्र सत्यापन के लिए मांग रहा था रिश्वत,चरित्र उजागर होने पर कप्तान ने कर दिया निलंबित...

-संवाददाता-

कोरबा,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। एसपी कार्यालय में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक को रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई उस युवक की शिकायत के बाद की गई, जो एनटीपीसी में नौकरी के लिए चरित्र सत्यापन कराने आया था। दरअसल शिकायतकर्ता दीपक साहू (21), निवासी ढोढीपारा ने 20 दिसंबर 2025 को एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन के बदले कार्यालय में मौजूद एक व्यक्ति ने उससे 1000 रुपए की मांग की थी। दीपक साहू रायगढ़ में एनटीपीसी में हाइड्रा चलाने का कार्य करता है और उसे गेट पास रिन्यूअल के लिए पुलिस सर्टिफिकेट की आवश्यकता थी। उसने बताया कि प्रधान आरक्षक सूर्यकांत द्विवेदी ने 1000 रुपए की रिश्वत की मांगी है और तत्काल प्रमाण-पत्र बना देने की बात कही गई।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202510020700104

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

नमनाकला (प ह न. 00020), पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार- रेनू अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार- मंगतराम अग्रवाल,

ईश्तहार

आवेदक रेनु अग्रवाल पति शेखर अग्रवाल निवासी मनेन्द्रगढ रोड रवि मार्बल के पीछे सज्जन कॉलोनी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 232/45, 232/46, 232/52, 232/90, 232/91 रकबा 0.003, 0.071, 0.004, 0.056, 0.025 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 06-06-2025 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12.01.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0...ब/121 वर्ष 2024-25

ग्राम- कल्याणपुर प.ह.न.-16.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बरतो अगरिया आ0 प्रेम जाति अगरिया निवासी ग्राम कल्याणपुर प0ह0न0 16 रा0नि0म0 लटोरी तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री बड़ी मां दशमेत पति रघुनाथ की मृत्यु दिनांक 15/07/2024 को ग्राम कल्याणपुर में हुई है,अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो वें स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 27/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 12/12/2015 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुह से जारी किया गया ।

(सील) कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील-लटोरी,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, तहसील-भटगांव

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0186 ब-121 /2025-26

आम जनता ग्राम खोपा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मुन्नी बाई आ0 छोटू राम जाति रजवार निवासी ग्राम खोपा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने स्वयं मुन्नी बाई का जन्म दिनांक 07/03/1972 को जन्म होने पर आवेदक द्वारा अपने स्वयं का जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 31/12/25 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जायेगी।

आज दिनांक 17/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/....../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ना0बा0 तन्मय गुप्ता आ0 अनिल कुमार गुप्ता, उम्र 16 वर्ष पालक व वली अपने ना0बा0 पुत्र की ओर से पिता अनिल कुमार गुप्ता आ.स्व. मुंशी लाल गुप्ता, उम्र 61 वर्ष, जाति केशरवानी, निवासी संगम चौक अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदक अनिल कुमार गुप्ता आ.स्व. मुंशी लाल गुप्ता, उम्र 61 वर्ष, जाति केशरवानी, निवासी संगम चौक अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03, मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 830 / 5 रकबा 0.04 3/4 एकड़ भूमि का पंजीबद्ध दानपत्र पंजीयन दिनांक 19.11.2025 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर उक्त दानशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 07/01 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 9/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

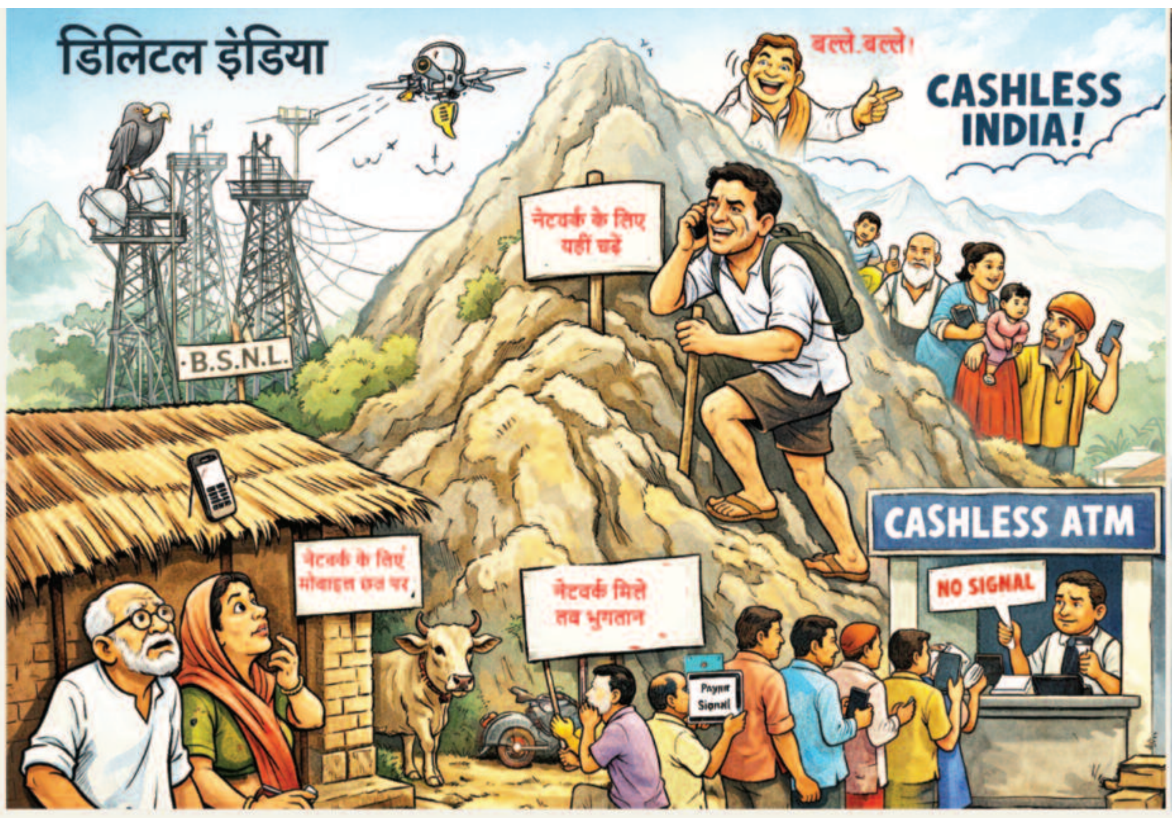

खपरैल पर मोबाइल...पहाड़ पर कॉल...यही है डिजिटल इंडिया

नेटवर्क ढूंढने खपरैल पर लटकाया मोबाइल...बात करने चढ़ रहे पहाड़...

- सोनहत के वनांचलों में डिजिटल इंडिया हांफता हुआ...
- डिजिटल इंडिया की हकीकतः नेटवर्क के लिए पहाड़,कैशलेस के लिए जद्दोजहद
- जहां मोबाइल छत पर टांगा जाता है,वहां कैशलेस सपना कैसे साकार होगा...
- टावर लगे,नेटवर्क गायबः सोनहत के वनांचलों में डिजिटल इंडिया ठप्प...
- नेटवर्क का अकालः सोनहत में फोन के लिए पहाड़,भुगतान के लिए भीड़...
- डिजिटल युग में बिन नेटवर्क कैशलेस नहीं,क्लेश बना सोनहत...
- करोड़ों खर्च,शून्य सेवाः कब चालू होंगे सोनहत के मोबाइल टावर...

-राजन पाण्डेय-

सोनहत, 22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। देश कैशलेस इकॉनॉमी और डिजिटल ट्रांजैक्शन की बात कर रहा है, लेकिन सोनहत के वनांचल गांव यह सवाल पूछ रहे हैं जब नेटवर्क ही नहीं, तो डिजिटल कैसे यह कोई तकनीकी बहस नहीं, रोज़मर्रा की जद्दोजहद है, यहां मोबाइल फोन खपरैल पर टांगे जाते हैं, और कॉल करने के लिए पहाड़ चढ़ना मजबूरी बन चुका है, ऐसे हालात में कैशलेस लेन-देन का दावा न सिर्फ खोखला, बल्कि ज़मीनी सच्चाई से कटे होने का प्रमाण है, सबसे बड़ी विडंबना यह है कि टावर लगाए गए, पैसे खर्च हुए, उद्घाटन हुए पर सेवा नहीं, कई जगह बीएसएनएल और जिओ के टावर वर्षों से खड़े हैं, लेकिन चालू नहीं, कहीं सोलर टावर हैं तो महीनों से खराब, सवाल सीधा है अगर चालू नहीं करना था, तो करोड़ों का खर्च क्यों क्या ये टावर विकास के प्रतीक हैं या आने वाले समय के कबाड़ नेटवर्क की कमी केवल सुविधा का मुद्दा नहीं, यह जीवन और सुरक्षा का प्रश्न है, बिना नेटवर्क 108-102 जैसी आपात सेवाएं बेअसर हैं, रिश्ते टूटते हैं, सूचनाएं अटकती हैं, और सरकारी योजनाएं कागजों तक सिमट जाती हैं। डिजिटल भुगतान की बात वहां मज़ाक बन जाती है, जहां एक खूंटी सिग्नल पाने के लिए भीड़ लगती है, यहां समस्या तकनीक की नहीं, जवाबदेही की है। आवेदन दिए गए, शिकायतें हुईं, पर संज्ञान नहीं। विभागीय उदासीनता ने डिजिटल इंडिया को डिजिटल भ्रम में बदल दिया है। सरकार अगर सचमुच कैशलेस और डिजिटल चाहती है, तो सबसे पहले नेटवर्क को बुनियादी अधिकार मानेघोषणा नहीं, डिलिवरी दे। अब वक्त है स्पष्ट कार्रवाई का बंद टावर तत्काल चालू हों, कवरेज विस्तारित हो, रखरखाव की स्थायी व्यवस्था बने, और समयसीमा के साथ जवाबदेही तय हो, वरना सोनहत पूछता रहेगा जहां फोन के लिए पहाड़ चढ़ना पड़े, वहां डिजिटल भविष्य किसके लिए देश कैशलेस इकॉनॉमी और डिजिटल ट्रांजैक्शन की ओर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के वनांचल गांवों में यह सपना आज भी दूर की कौड़ी नजर आता है, यहां हालात ऐसे हैं कि नेटवर्क पाने के लिए लोग मोबाइल खपरैल की छत पर लटका देते हैं, तो कहीं फोन पर बात करने पहाड़ों पर चढ़ना मजबूरी बन गई है।

जहां नेटवर्क ही नहीं...वहां कैशलेस कैसे...

सोनहत विकासखंड के ग्राम आनंदपुर दसेर समेत दर्जनों गांव ऐसे हैं जहां मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह नदारद है,राज्य सीमा से लगे होने के कारण कभी-कभार पहाड़ियों या ऊंचे मकानों पर मध्यप्रदेश सर्कल का हल्का सिग्नल पकड़ में आ जाता है, ग्रामीण बताते हैं फोन आए तो पता चल सके, इसलिए मोबाइल छत पर टांगना पड़ता है; बात करनी हो तो ऊंचाई की तलाश, यहां डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाएं और ऐप आधारित लेन-देन की बात करना ग्रामीणों के लिए क्लेश बन चुका है।

सोलर टावर लगे...पर महीनों से खराब...

शासन स्तर पर सोनहत विकासखंड के तुर्रीपानी-रामगढ़ में सौर ऊर्जा से संचालित मोबाइल टावर लगाया गया,मगर उसका कवरेज सीमित है और रामगढ़ का टावर महीनों से खराब पड़ा है। आपात स्थिति में सूचना देना भी कठिन हो गया है। कई बार आवेदन देने के बावजूद विभागीय उदासीनता बनी हुई है।

नेटवर्क मिलने की जगह पर रोज जुटती भीड़ : रामगढ़ में एक स्थान ऐसा है जहां सूरजपुर जिले के छतरंग क्षेत्र के जिओ टावर का हल्का सिग्नल मिल जाता है, यहां अक्सर भीड़ देखी जाती है ग्रामीण फोन-पे, ऑनलाइन लेन-देन और कॉल करने यहीं पहुंचते हैं। 'यहां बस एक खूंटी नेटवर्क आता है,' ग्रामीणों का कहना है।

7 पंचायतें-बिन नेटवर्क सब सून : सोनहत तहसील के रामगढ़ सहित वनांचल की 7 पंचायतों में नेटवर्क समस्या गंभीर है, यहां भारत संचार निगम लिमिटेड का टावर पिछले एक माह से बंद पड़ा है। तीन साल पहले लगाए गए कई टावरों में से एक ही चालू हुआ था, वह भी अब ठप है; बाकी आज तक चालू नहीं किए गए। ग्रामीणों ने कई बार बीएसएनएल कार्यालय में निवेदन किया, लेकिन समाधान शून्य रहा।

बिन नेटवर्क...शिकायत भी कैसे...

ग्रामीणों की पीड़ा यह है कि समस्या बताएं तो किसे नेटवर्क न होने से रिश्तेदारों से संपर्क टूट गया है, 108 और 102 जैसी आपात सेवाएं भी बिना नेटवर्क बेकार साबित हो रही हैं, लोगों की मांग है कि शासन-प्रशासन तत्काल संज्ञान ले।

टावर लगे...चालू कोई नहीं...

ग्रामीणों के अनुसार उधेनी, सिंघोर, उग्यव, सूक्तरा, मझगांवां, रेवला समेत कई गांवों में बीएसएनएल और जिओ के टावर लगाए गए, लेकिन एक भी चालू नहीं, लोग सवाल कर रहे हैं जब चालू नहीं करना था तो करोड़ों का खर्च क्यों कुछ का डर है कि सिंघोर की तरह बाकी टावर भी कबाड़ न बन जाएं।

क्या कहते हैं लोग...

- **गणेश गुप्ता (सांसद प्रतिनिधि) :** रामगढ़ में बार-बार सेवा बंद होने से परेशानी बढ़ी है,स्थायी समाधान चाहिए।
- **तेजबली राजवाड़े (ग्रामीण) :** कई बार संपर्क किया, पर सुनवाई नहीं हुई।
- **पुष्पेंद्र राजवाड़े (अध्यक्ष, कोरिया जन सहयोग समिति) :** 4जी टावर चालू करने ज्ञापन देंगे,नहीं तो आंदोलन होगा।
- **प्रकाश चन्द्र साहू (ब्लॉक अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस) :** सांसद महोदया से मिलकर ज्ञापन सौंपा जाएगा।
- **समय लाल कमलवंशी (भाजपा नेता) :** मामला जिलाध्यक्ष और विधायक महोदया के संज्ञान में लाकर तत्काल समाधान का प्रयास करेंगे।

सुरजपुर के 17 गांवों में बिजली की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल आठवें दिन भी जारी

आंदोलनकारियों ने मुंडन कर जताया विरोध,बोले...बिजली आए बिना नहीं हटेंगे

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सुरजपुर 22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले की सीमा से सटे सुरजपुर जिले के 17 गांवों में बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल आठवें दिन भी लगातार जारी है। रसौकी, लुल्ह, खोहिर, मोहली, उमझर, रामगढ़, कच्छ्वारी, मोहरसोप, बसनारा, जुड़वनिया, बैजनपाठ, दुधनिया, कैलाशनगर, भुसकी, छतरंग, वनगवां, घुइड़ी सहित आसपास के आश्रित ग्रामों में आज तक बिजली नहीं पहुंची है, इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने आंदोलन छेड़ रखा है, आंदोलन के आठवें दिन प्रदर्शनकारियों ने मुंडन कराकर सरकार और प्रशासन के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया, आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा,कड़ाके की ठंड में 24 घंटे जारी यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर है। सवाल सीधा है क्या प्रशासन ग्रामीणों की बुनियादी मांगों पर संज्ञान लेगा, या यह संघर्ष और लंबा खिंचेगा।

जब तक बिजली नहीं,तब तक आंदोलन

ग्रामीणों ने बताया कि आठ दिन बीतने के बावजूद शासन-प्रशासन का कोई भी प्रतिनिधि मौके पर नहीं पहुंचा है और न ही कोई ठोस आश्वासन मिला है, इसी कारण सर्वसम्मति से मुंडन कर विरोध का निर्णय लिया गया,आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूर्णतः गैर-राजनीतिक है और सभी ग्रामवासियों की सहमति से जारी है।

बिन बिजली—सब सून, पढ़ाई से शादियां तक प्रभावित

बिजली के अभाव में गांवों में शिक्षा, संचार और रोज़मर्रा के कामकाज बुरी तरह प्रभावित हैं। सौर ऊर्जा के विकल्प लगाए गए हैं, लेकिन वे अपर्याप्त और खराब स्थिति में हैं, जिससे पर्याप्त बैकअप नहीं मिल पाता, ग्रामीणों का कहना है कि युवाओं की शादियां तक अटक रही हैं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित है और संचार सुविधाएं ठप हैं।

सरकारें बदलीं...हालात नहीं...

ग्रामीणों के अनुसार रसौकी जैसे सीमावर्ती गांवों में न सड़क, न पुल और न बिजली है। पिछली सरकारों में कुछ जगह सड़क निर्माण हुआ, लेकिन वह नाकाफी साबित हुआ। चुनाव पूर्व बिजली पहुंचाने का आश्वासन मिला था, पर 26 गांवों में आज भी बिजली नहीं पहुंची।

विधानसभा क्षेत्र का मामला,उम्मीदें अब भी कायम

ये गांव संबंधित विधानसभा क्षेत्र में आते हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि शेष कच्चे मार्गों का पक्कीकरण और सभी गांवों तक बिजली पहुंचेगी, हालांकि, अब तक कोई ठोस पहल न होने से आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

कई संगठनों का समर्थन

आंदोलन को कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कुशवाहा एकता मंच और पत्रकार संगठनों का समर्थन मिला है। समर्थन पत्र सौंपकर मांगों के साथ खड़े रहने की बात कही गई है।

आंदोलनकारियों की आवाज

- **लक्ष्मण जायसवाल :** आज़ादी के बाद भी बिजली नहीं पहुंची। पढ़ाई, विवाह और संचार—सब प्रभावित है। मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।
- **गजमोचन सिंह :** वर्षों से मांग के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। अब बिजली आए बिना आंदोलन नहीं रुकेगा।
- **जितेंद्र साकेत :** कई सरकारें आई-गई, पर बिजली नहीं आई। अब आर-पार की लड़ाई है।
- **तुलसी जायसवाल :** 16 पंचायत और 26 आश्रित ग्राम प्रभावित हैं। कोई प्रतिनिधि बात करने नहीं आया-मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

ठंड क्या होती है..यह बेजुबान...बेसहारा गौवंश से पूछिए

कड़ाके की ठंड में गौसेवक अनुराग दुबे की पहल,नगर पालिका ने भी लिया संज्ञान

-संवाददाता-

कोरिया/बैकुंठपुर,22 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। कड़ाके की ठंड जहां आम इंसान को कंपकंपी में डाल रही है, वहीं बेजुबान और बेसहारा गौवंश के लिए यह ठंड जीवन-मरण का सवाल बन जाती है, ऐसी ही परिस्थितियों को देखते हुए गौसेवक अनुराग दुबे ने एक बार फिर संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की है।

बीते दस वर्षों से लगातार वे अपने घर की गौशाला और बाल मंदिर प्रांगण में जहां उनकी निगरानी में गोवंश रहते हैं, अलाव जलाने की व्यवस्था कर रहे हैं, ताकि ठंड से गौवंश की रक्षा हो सके, अनुराग दुबे ने अन्य गोपालकों से भी अपील की है कि वे जहां-जहां गोपालन करते हैं, वहां सेड/तिरपाल के नीचे अलाव की व्यवस्था अवश्य करें, ताकि इन बेजुबानों को सर्द हवाओं से राहत मिल सके, ठंड क्या होती है यह वही समझ सकता है जिसके पास न छत हो, न कपड़ा और न आवाज। ऐसे में अलाव की एक लौ इन बेजुबानों के लिए जीवन की लौ बन जाती है, समाज और प्रशासन दोनों की साझा संवेदनशीलता से ही इन बेसहारा प्राणियों को सर्दी की मार से बचाया जा सकता है।

ठंड से दो गौवंश की मौत,नगर पालिका हरकत में : इधर, बैकुंठपुर के हाई स्कूल परिसर में बीते एक सप्ताह के भीतर ठंड से दो गौवंश की मौत के बाद नगर पालिका ने तत्काल संज्ञान लिया, संजय दुबे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, ने तुरंत निर्देश देते हुए उस स्थान पर जहां रात में गोवंश को रखा जाता है, दो अलाव कुंड जलाने की व्यवस्था करवाई, कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि रात्रि के समय आग जलती रहे, ताकि गोवंश को ठंड से बचाव मिल सके।

संवेदनशीलता ही असली सेवा : कड़ाके की ठंड में यह पहल बताती है कि गौसेवा केवल आस्था नहीं, जिम्मेदारी भी है, जहां एक ओर सामाजिक कार्यकर्ता अपने स्तर पर पहल कर रहे हैं, वहीं प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने यह संदेश दिया है कि बेजुबानों की पीड़ा पर अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

रहमान डकैत के वायरल मूव्स की दीवानी हुईं शिल्पा शेट्टी

धुरंधर के गाने पर दिल खोलकर किया डांस

बॉलीवुड के सितारों पर फिल्म धुरंधरका फीवर चढ़ा हुआ है। फिल्म के गाने एफ ए9एलए पर स्टार्स रील्स बना रहे हैं और अब लीजिए इस लिस्ट में आ गई है शिल्पा शेट्टी।

फिल्म धुरंधर इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचा रही है। फिल्म कमाई के नए-नए रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है। वर्ल्डवाइड फिल्म की कमाई 850 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार कर चुकी है। वहीं बॉलीवुड के सितारों पर भी फिल्म का फीवर चढ़ा हुआ है। फिल्म के गाने एफए9एलए पर स्टार्स रील्स बना रहे हैं और अब लीजिए इस लिस्ट में आ गई है शिल्पा शेट्टी।

अक्षय खन्ना के गाने पर थिरकीं शिल्पा शेट्टी

फिल्म धुरंधर में भले ही सबकी खूब तारीफें हो रही हैं,लेकिन फिल्म में अक्षय खन्ना के स्टाइल और डांस मूव्स का हर कोई दीवाना हो गया है। अक्षय खन्ना के वायरल गाने पर कई स्टार्स ने अब तक रील्स बनाए हैं। हाल ही में अब शिल्पा शेट्टी ने एफए9एलए गाने पर डांस किया है। ट्रेंड को फॉलो करते हुए शिल्पा गाने पर अक्षय खन्ना की तरह ही डांस करती हैं। वीडियो के आखिर में मजाक में कहती हैं कि,उनकी टीम फैन चलाना ही भूल गई। शिल्पा ने वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि,फैन तो मिला नहीं लेकिन मैं फैन हो गई हूं,तो ये ट्रेंड बनना बनता था। रणवीर सिंह आपका टाइम आ गया है। इसके अलावा उन्होंने कैप्शन में ही फिल्म के सभी स्टार्स की खूब तारीफ की। वहीं अक्षय खन्ना को लेकर लिखा कि,उनका स्टाइल और औरा कमाल का था। वहीं उन्होंने पोस्ट में आदित्य धर की भी खूब तारीफ की।

डीजे बनकर अर्जुन रामपाल भी छाए

एक तरफ जहां शिल्पा शेट्टी ने फिल्म के सभी कलाकारों की जमकर तारीफ की है। वहीं फिल्म अर्जुन रामपाल भी इस ट्रेंड से पीछे नहीं रहे। वैसे तो अर्जुन रामपाल खुद धुरंधर का हिस्सा हैं और उन्होंने भी फिल्म में कमाल का काम किया है लेकिन जब अर्जुन एक नाइट क्लब जब अर्जुन रामपाल पहुंचे तो यहां वो डीजे बन गए। अर्जुन ने यहां अपनी ही फिल्म धुरंधर के वायरल गाने एफ ए9एलए को बजाया। ये देख ऑडिएंस ने भी उन्हें वहां खूब चियरअप किया।

वहीं धुरंधर 2 की बात करें तो फिल्म अगले साल 19 मार्च 2026 को रिलीज की जाएगी। फिल्म अभी भी कमाई कर रही है और माना जा रहा है कि फिल्म जल्द ही 1 हजार करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी।

उजैर बलूच ने तोड़ा लाखों लड़कियों का दिल

धुरंधर में उजैर बलूच का किरदार निभाने वाले दानिश पंडोर अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं,फैंस उन्हें खूब बधाईयां दे रहे हैं। हालांकि एक नोट ने सबका ज्यादा ध्यान खींचा और वो था एक्ट्रेस अहाना कुमरा का। जहां रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना को आदित्य धर की धुरंधर में उनकी जबरदस्त परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफ मिल रही है, वहीं फिल्म के दूसरे कलाकारों ने भी अच्छी परफॉर्मेंस दी है। इस मूवी का हर कलाकार किसी ना किसी वजह से वायरल हो रहा है।

शानदार कलाकारों में से एक हैं दानिश पंडोर, जिन्होंने रहमान डकैत के चचेरे भाई उजैर बलूच का किरदार निभाया है। आज एक्टर के लिए खास दिन है क्योंकि आज उनका जन्मदिन है और उन्हें परिवार, दोस्तों और फैंस से ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। हालांकि, सबसे प्यारा जन्मदिन का मैसेज अहाना एस कुमरा की तरफ से आया।

क्या अहाना को डेट कर रहे हैं दानिश पंडोर

इंस्टाग्राम पर,अहाना ने अपनी और दानिश की कई अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं। खूबसूरत तस्वीरों के साथ, उन्होंने धुरंधर में दानिश और उनकी सफलता का जश्न मनाते हुए एक लंबा, दिल को छू लेने वाला नोट लिखा। उन्होंने लिखा, मेरे जानने वाले सबसे दयालु लड़के को! हैप्पी हैप्पी बर्थडे मुझे उम्मीद है और मैं प्रार्थना करती हूं कि तुम्हें वह सब कुछ मिले जो तुम्हारा दिल चाहता है। इसके साथ ही उन्होंने कई सेलिब्रेशन वाले इमोजी भी लगाए, जिनमें पटाखे, बुरी नजर से बचाने वाले इमोजी, लाल दिल और दूसरे इमोजी शामिल थे। उन्होंने आगे कहा, भगवान करे जिंदगी हमेशा आप पर मेहरबान रहे और आपको वह सारा प्यार, सफलता और खुशी मिले जिसके आप हकदार हैं! हमेशा आपके लिए शुभकामनाएं! हमेशा के लिए। आपका साल धुरंधर जैसा हो डैनी बॉय। धुरंधर की सफलता पर बात करते हुए दानिश ने कहा, धुरंधर की सफलता ने सब कुछ बदल दिया है। इसलिए यह एक खास जन्मदिन है। मेरे लिए, अपने परिवार के साथ दिन बिताना सेलिब्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है और मैं बिल्कुल वैसा ही कर रहा हूं। वैसे तो, मुझे इस दिन काम करना पसंद होता। पिछले साल, मैं अपने जन्मदिन पर धुरंधर की शूटिंग कर रहा था।

धुरंधर में अपने रोल उजैर बलूच पर दानिश पंडोर

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें यह अहम रोल कैसे मिला, तो उन्होंने कहा, मैं (कास्टिंग डायरेक्टर) मुकेश छाबड़ा,मुकेश भाई का बहुत आभारी हूं,जिन्होंने असल में इस रोल के लिए मेरा ऑडिशन लिया और इसे आदित्य सर को भेजा और फिर मैं आदित्य सर का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस खूबसूरत रोल के लिए परफॉर्म करने का मौका दिया। यह बहुत जरूरी है कि आपका डायरेक्टर और आपका कास्टिंग डायरेक्टर आप पर भरोसा करे।

60 साल की उम्र में भी अधूरी है सलमान खान की ख्वाहिश

बर्थडे से पहले भाईजान ने क्यों किया ये पोस्ट?

सलमान खान हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेताओं में शुमार हैं। जल्द ही उनका 60वां जन्मदिन मनाया जाएगा। इससे पहले भाईजान ने सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करते हुए अधूरी इच्छा जाहिर की है। हिंदी सिनेमा के सुल्तान सलमान खान को भला कौन नहीं जानता। कुछ दिन बाद सलमान अपना 60 वां जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगे। इससे पहले सोशल मीडिया पर भाईजान की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें एक बार फिर से सलमान की सॉलिड फिटनेस का नजारा देखने को मिल रहा है।

लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि इन तस्वीरों के साथ सलमान खान ने जो कैप्शन दिया है, वह हर किसी का ध्यान खींच रहा है। आइए जानते हैं कि सलमान ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में क्या लिखा है।

सामने आई सलमान की फोटोज

सोमवार को सलमान खान ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लेटेस्ट फोटोज को शेयर किया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि जिम में नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनकी सॉलिड फिटनेस साफ नजर आ रही हैं। सलमान के लेग्स और बाइसेप्स की मसल्स साफ-साफ दिखाई दे रहे हैं और इस बात की गवाही दे रहे हैं कि 60 साल की उम्र में वह काफी ज्यादा फिट हैं।

इस पोस्ट के कैप्शन में सलमान ने अपनी ख्वाहिश को लेकर जिक्र किया है और लिखा है-काश 60 साल की उम्र में मैं ऐसा दिख पाता। इस तरह से सलमान खान ने अपनी फिटनेस को लेकर इच्छा जाहिर की है। हालांकि, उनका ये कैप्शन मजाकिया अंदाज में क्योंकि वह काफी ज्यादा फिट हैं।

आलम ये है कि अब सोशल मीडिया पर सलमान खान की ये लेटेस्ट तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस इन पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

किक 2 की होगी अनाउंसमेंट

सलमान खान के 60वें जन्मदिन पर उनकी बहुचर्चित फिल्म किक 2 की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। निर्माता साजिद नाडियाडवाला की तरफ से किक 2 का पुष्टि पहले ही की जा चुकी है और हाल ही में समाप्त हुए बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में खुद सलमान ने इसका खुलासा किया था। मालूम हो कि किक के सीक्वल में साउथ सिनेमा के अभिनेता उन्नी मुकुनंद विलेन का रोल निभाते हुए नजर आएंगे। खबर ये भी है कि मूवी में जैकलीन फर्नांडिस की जगह अभिनेत्री कृति सेनन दिखाई देंगी।

45 साल पुराने गाने पर प्रियंका चोपड़ा संग थिरके निक जोनस

विदेशी जीजू पर चढ़ा देसी गानों का बुखार

अक्सर सोशल मीडिया पर निक जोनस मजेदार वीडियोज शेयर करते रहते हैं और आजकल प्रियंका चोपड़ा बी पति निक जोनक के साथ काफी चिल मूड में नजर आ रही हैं।

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा आजकल भारत का दौरा बार-बार कर रही हैं। एक तरफ प्रियंका जहां वाराणसी जैसी फिल्म में काम कर रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ विदेश में जाकर पति निक जोनस के कॉन्सर्ट्स में को भी खूब अटेंड कर रही हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर दोनों पति-पत्नी मजेदार वीडियोज शेयर करते रहते हैं और आजकल प्रियंका पति निक जोनक के साथ काफी चिल मूड में नजर आ रही हैं।

जीनत अमान के गाने पर थिरके निक-प्रियंका

जोनस ब्रदर्स आजकल अपने कॉन्सर्ट्स और शोज में बिजी चल रहे हैं। इसी बीच हाल ही में निक जोनस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में निक जोनस डांस करते दिख रहे हैं। दरअसल निक अक्सर शो में जाने से पहले अपनी एनर्जी को हाई करते हैं।

हाल ही में निक जोनस ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो अपलोड किया है उसमें वो जीनत अमान के गाने आप जैसा कोई मेरी जिंदगी में आए पर थिरकते दिख रहे हैं। गाने में निक जोनस के साथ प्रियंका चोपड़ा भी नजर आ रही हैं। फिल्म कुर्बानी के इस गाने में निक और पीसी के साथ उनके भाई भी नजर आ रहे हैं। पूरी मस्ती के साथ सभी इस गाने पर थिरकते दिख रहे हैं।

धुरंधर के गाने पर भी नाचे निक जोनस

वैसे इससे पहले रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर के गाने शरारत पर भी निक जोनस थिरक चुके हैं। निक ने सोशल मीडिया पर इसका भी वीडियो अपलोड किया था। जिसके बाद प्रियंका भी प्यार जताए बिना नहीं रह पाई थीं। यहां तक कि रणवीर ने भी जीजू कहकर पोस्ट पर कमेंट किया था। अक्सर निक हिंदी गानों पर डांस करते दिख ही जाते हैं। शायद ये प्रियंका चोपड़ा का ही असर है, जो निक को बॉलीवुड गानों के लिए दीवाना बनाए दे रहा है।आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही वाराणसी में नजर आने वाली हैं। बीते दिनों ही फिल्म का लॉन्च इवेंट हुआ था, जिसमें प्रियंका शामिल होने के लिए भारत आई थीं। इसके अलावा भी प्रियंका जल्द ही कई और बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में दिख सकती हैं।

C M Y K

खेल समाचार

वर्ल्ड कप टीम से बाहर किए गए गिल विजय हजारे खेलेंगे

पंजाब की टीम में अभिषेक और अर्शदीप के भी नाम, 24 दिसंबर से टूर्नामेंट

पंजाब,22 दिसम्बर 2025। भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे। सोमवार को पंजाब ने टूर्नामेंट के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें गिल के साथ अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

पंजाब अपने अभियान की शुरुआत 24 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ करेगा। हालांकि,गिल,अभिषेक और अर्शदीप कितने मैच खेल पाएंगे,इसे लेकर स्थिति साफ नहीं है,क्योंकि भारत को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज खेलनी है।

गिल का चयन इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें हाल ही में भारत की आगामी टी-20 वर्ल्ड कप टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया था। ऐसे में विजय हजारे ट्रॉफी गिल के लिए खुद को दोबारा साबित करने,फॉर्म में लौटने और व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपनी क्लास दिखाने का बड़ा मौका होगी।

पंजाब के सभी मैच जयपुर होंगे

पंजाब अपने सभी सात लीग मुकाबले जयपुर में खेलेगी। पिछले सीजन में क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बावजूद इस बार टीम को खिताब का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। बल्लेबाजी में शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा के अलावा प्रभसिमरन सिंह, अनमोलप्रीत सिंह, नमन धीर, रमनदीप सिंह, सनवीर सिंह और हरप्रीत ब्रार टीम को गहराई और मजबूती प्रदान करते हैं।

अर्शदीप सिंह को बॉलिंग की कमान

गेंदबाजी की जिम्मेदारी एक बार फिर अर्शदीप सिंह के कंधों पर होगी। वे 2024-25 सीजन में पंजाब के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उनका साथ तेज गेंदबाज गुरनूर ब्रार और कृष्ण भगत निभाएंगे। नई गेंद से शुरुआती विकेट निकालना और डेथ ओवर्स में सटीक गेंदबाजी अर्शदीप को पंजाब की सबसे बड़ी ताकत बनाता है।

हालांकि,शुभमन गिल,अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह की उपलब्धता लीग चरण के बाद स्पष्ट नहीं है। भारत को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे खेलने हैं, जिसके बाद 21 जनवरी से पांच टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होगी।

कप्तान का ऐलान नहीं किया

पंजाब ने फिलहाल अपनी टीम के कप्तान का ऐलान नहीं किया है। टीम एक चुनौतीपूर्ण ग्रुप में है,जिसमें मुंबई,गोवा, छत्तीसगढ़,उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसी टीमें शामिल हैं। लीग चरण के मुकाबले 8 जनवरी को समाप्त होंगे।

पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी टीम

शुभमन गिल,अभिषेक शर्मा,अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू,अनमोलप्रीत सिंह,उदय सहारन, नमन धीर,सलील अरोड़ा (विकेटकीपर),सनवीर सिंह,रमनदीप सिंह,जसनप्रीत सिंह,गुरनूर ब्रार,हरप्रीत ब्रार,रघु शर्मा, कृष्ण भगत,गौरव चौधरी और सुखदीप बाजवा।

झारखंड ने किया टीम का ऐलान

ईशान किशन को बनाया कप्तान

रांची,22 दिसम्बर 2025। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट 2025-26 के लिए झारखंड का कप्तान नियुक्त किया गया है। झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने सोमवार को पुष्टि की है। झारखंड की इस टीम में अनुभव और युवाओं का मिश्रण है। इनमें कुमार कुशाग्र,अनुकूल रॉय,रॉबिन मिंज,अभिनव शरण और विराट सिंह शामिल हैं। ईशान किशन ने बतौर कप्तान सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025/26 का खिताब अपने नाम किया है। यह झारखंड का पहला स्मैट खिताब था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 की औसत से 517 रन बनाए। इस दौरान दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। हरियाणा के खिलाफ फाइनल मैच में ईशान ने 101 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। स्मैट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईशान किशन ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई। उन्हें संजू सैमसन के साथ दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में शामिल किया गया है। इसी के साथ उन्हें लंबे वक्त बाद भारत की ओर से खेलने का मौका मिला है। ईशान किशन ने भारत की तरफ से 2 टेस्ट मुकाबलों में 78 की औसत के साथ 78 रन बनाए हैं। वहीं,27 टी20 मुकाबलों में 42.40 की औसत के साथ 933 रन जोड़े। इस दौरान उन्होंने 210 रन की पारी भी खेली। ईशान भारत के लिए 32 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें 6 अर्धशतकों के साथ 796 रन बनाए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत 24 दिसंबर से होगी। झारखंड की टीम अपना पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेलेगी।

वेस्ट इंडीज पर सीरीज जीत के बाद न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर पहुंचा

न्यूजीलैंड,22 दिसम्बर 2025। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार,न्यूजीलैंड ने सोमवार को बे ओवल में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के अंतिम टेस्ट में 323 रनों की शानदार जीत के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। बे ओवल में पांचवें दिन का खेल समाप्त होते ही ब्लैक कैप्स ने जीत पक्की कर ली, जिसमें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने गेंद से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और यह सुनिश्चित किया कि उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिले।

वेस्ट इंडीज की दूसरी पारी में डफी ने 5/42 का शानदार प्रदर्शन किया, जिसके चलते मेहमान टीम 462 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 138 रनों पर ऑल आउट हो गई। कुल मिलाकर, इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने तीन मैचों की सीरीज में 23 विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड को सीरीज 2-0 से जीतने में मदद मिली। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक विकेट (80) लेने का कीवी दिग्गज रिचर्ड हैडली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

इंडोनेशियाई कोच ने राष्ट्रीय मार्शल आर्टिस्टों को दिया प्रशिक्षण

श्रीनगर,22 दिसम्बर 2025। इंडोनेशियाई कोच सुहुद इंद्रतो, आगामी ओलंपिक से पहले श्रीनगर में राष्ट्रीय स्तर के मार्शल आर्टिस्टों को प्रशिक्षण दे रहे हैं । लेकिन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए, ओलंपिक प्रतिभागी हमेशा कई साल पहले से तैयारी शुरू कर देते हैं। कश्मीर घाटी में, पेंचक सिलाट और अन्य मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के अंतरराष्ट्रीय कोच इंद्रतो की देखरेख में प्रशिक्षण शुरू किया। वर्तमान में, इंडोनेशियाई कोच देश भर से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं, और वे आगामी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए पेंचक सिलाट और अन्य मार्शल आर्ट में नवीनतम तकनीकें सीख रहे हैं।

C M Y K

'जनादेश परब' में शामिल हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

हम छाती ठोंककर बोलते हैं,हमने 2 साल में सभी वादे पूरे किए : जेपी नड्डा

जांजगीर-चांपा,22 दिसम्बर 2025। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ के जांजगीर पुलिस लाइन में आयोजित 'जनादेश परब' में शामिल हुए। उन्होंने जय सतनाम के नारे के साथ आमसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विष्णुदेव साय की सरकार ने शानदार 2 साल पूरे किए हैं, इसके लिए बहुत-बहुत बधाई। बघेल सरकार में आतंक था, भ्रष्टाचार था, जो वादे किए वो निभाए नहीं, नक्सलवाद के साथ समझौतावाद था। आप सबने ऐसी सरकार को उखाड़ फेंका, और कमल का फूल खिलाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो कहा, वह किया है। और जो नहीं कहा था, वह भी करके दिया है। इसलिए हम छाती ठोंककर बोलते हैं कि हमने 2 साल में सभी वादे पूरे किए है। हमने कहा था कि हम गांव गरीब के लिए काम करेंगे। हमने 5 लाख 62 हजार मजदूरों को आर्थिक मदद देने का काम किया। साथ ही 32 हजार नौकरियों की भर्ती की प्रक्रिया की जा रही है। युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का कांग्रेस पर प्रहार : केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस से कहा कि आप जिस तरह देश मे काम कर रहे हैं, आपको सफलता नहीं मिलेगी। जिस तरह पीएम मोदी, सीएम विष्णुदेव साय की सरकार काम कर रही है, हम काम कर रहे हैं, आपको सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने आमसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब संसद चलती है, तो राहुल गांधी जर्मनी में बोल रहे होते हैं। मोदी को गाली देते हैं, ऐसा विपक्ष टिकेगा क्या।? उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ये नहीं जानती की जनता क्या चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि राम मंदिर बनने पर, ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाते हो।।. आप नामदार लोग हो. राजनीति शौकिया करते हो, चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हो। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि इस माओवादी और मुस्लिम लीगी कांग्रेस को सदा के लिए विदा करें। भविष्य में भी बीजेपी की सरकार बनाएं।

नक्सलियों से दोस्ती करती थी कांग्रेस की सरकार : जेपी नड्डा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आगे कहा कि कांग्रेस की सरकार नक्सलियों से दोस्ती करती थी, समझौता करती थी। हमारी सरकार ने उनसे लोहा लिया और अब मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत आज विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। देश अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देशभर में सड़कों का जाल बिछ रहा है। 60% का ग्रोथ है। आज हमारे यू ट्यूबर, एनफ्लुएंसर गांव-गांव में हैं। सब्जी वाला भी क्क्रकोड से पेमेंट ले रहा है। 92% मोबाइल भारत में बन रहा है। ये है बढ़ता भारत।।। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने जनता को संबोधित करते हुए आगे बताया कि 4 मेडिकल कॉलेज जोड़े जा रहे हैं, जिनमें जांजगीर भी शामिल है। दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज खुल रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने जनता का किया धन्यवाद

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी आमसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का मैं धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने पांच साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बना दिया था, जिसके अपराधी आज जेल की हवा खा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश का विकास तेज गति से हुआ है, जो निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद से मुक्ति के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ।

31 मार्च 2026 तक समाप्त होगा नक्सवाद : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जनादेश परब को संबोधित करते हुए कहा कि जेपी नड्डा का छत्तीसगढ़ से पुराना नाता रहा है। वे पहले छत्तीसगढ़ के प्रभारी रहे, जिसके बाद उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने कहा कि अब नितिन नवीन छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं और उन्हें भी भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है, जो छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद का परिणाम है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सरकार बनने पर दो बड़े वादे किए थे, जिनमें वंचित 18 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास देना और छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त करना शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पद संभालते ही पीएम आवास का प्रस्ताव किया और अब प्रदेश से नक्सली समस्या दूर करने का अभियान शुरू हो चुका है, जिसके तहत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा।

रायपुर पुलिस का डिजिटल स्ट्राइक...25 साइबर ठग दबोचे,174 करोड़ का संदिग्ध ट्रांजैक्शन बेनकाब

रायपुर,22 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में साइबर अपराध के खिलाफ रायपुर रेंज पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए संगठित साइबर ठगी नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत एकसाथ कई जिलों और राज्यों में छापेमारी कर 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में 174.5 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा हुआ है। यह कार्रवाई रायपुर, दुर्ग, बलौदा बाजार सहित मध्यप्रदेश के कई इलाकों में की गई। पुलिस की 8 विशेष टीमों ने एक साथ दबिश देकर म्यूल बैंक अकाउंट संचालकों,फर्जी सिम कार्ड विक्रेताओं, ब्रोकरों और ठगों को खाते उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क को ध्वस्त किया।

77 लाख की ठगी प्रमाणित, 1200 से अधिक शिकायतें सामने : पुलिस जांच में अब तक 77.35 लाख रुपये की ठगी की पुष्टि हो चुकी है। इन म्यूल खातों से जुड़े मामलों में देशभर से 1236 शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। ठगी की रकम शेयर ट्रेडिंग ऐप, क्रिप्टो निवेश, टेलीग्राम टास्क, केवाईसी अपडेट, ऑनलाइन गेमिंग और गूगल सर्च स्कैम के जरिए वसूली जाती थी।

कमीशन पर किराए के खाते, यही था खेल : जांच में सामने आया कि आरोपी अपने बैंक खाते किराए पर देते थे या फिर 10 से 20 प्रतिशत कमीशन लेकर अन्य साइबर ठगों को खाते उपलब्ध कराते थे। इन खातों और फर्जी सिम कार्ड के जरिए ठगी की रकम को तेजी से इधर-उधर किया जाता था।

I4C पोर्टल से खुला पूरा नेटवर्क : पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रायपुर रेंज साइबर थाना ने केंद्र सरकार के I4C पोर्टल पर दर्ज म्यूल बैंक अकाउंट्स की गहन जांच शुरू की थी। बैंक ट्रांजैक्शन, एक व्यक्ति के नाम पर कई खाते और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूरे गिरोह की पहचान की गई।

2 करोड़ की रकम होल्ड, पीड़ितों को लौटाई जा रही राशि : इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 2 करोड़ रुपये की ठगी की रकम होल्ड करवाई है। बीते 11 महीनों में साइबर पुलिस 7 करोड़ रुपये फर्स्ट लेयर खातों में होल्ड करा चुकी है, जिसमें से कोर्ट के आदेश पर 4 करोड़ से अधिक की राशि पीड़ितों को वापस की जा चुकी है।

मुगल शासन में भी हिंदू खतरे में नहीं था, बीजेपी-आरएसएस ने डर दिखाकर 3 बार जीता चुनाव : भूपेश

भूपेश ने कहा...कथावाचक प्रदीप मिश्रा-धीरेंद्र शास्त्री फैला रहे अंधविश्वास

दुर्ग-भिलाई, 22 दिसम्बर 2025। दुर्ग में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बीजेपी, आरएसएस,कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा और धीरेंद्र शास्त्री पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि,देश में कभी हिंदू खतरे में नहीं था। लेकिन जब से बीजेपी-आरएसएस सत्ता में आई है,तब से हिंदू खतरे में है का डर दिखाकर तीन बार चुनाव जीत चुके हैं। बघेल ने कहा कि, कथावाचक भगवान के बारे में न बताकर अब टोटके बताते हैं। आज समाज जितना पढ़ा-लिखा होता जा रहा है, उतना ही अंधविश्वासी भी होता जा रहा है। आम लोग खुद इन कथावाचकों से ज्यादा जानते हैं कि शिव कौन हैं, हनुमान कौन हैं और पूजा कैसे की जाती है। भूपेश ने यह बयान अखिल भारतीय एससी,एसटी, ओबीसी संयुक्त मोर्चा छत्तीसगढ़ की तरफ से दुर्ग के शंकर नगर में संविधान पर्व और राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन में दिया है। उन्होंने कहा कि,आज न अनुसूचित जाति खतरे में है, न जनजाति, न पिछड़ा वर्ग और यहां तक की अल्पसंख्यक भी खतरे में नहीं है। बीजेपी केवल डर फैलाकर राजनीति कर रही है।

मुगलों-मुसलमानों के शासन में भी खतरे में नहीं था हिंदू

भूपेश बघेल ने कहा कि, आजादी की लड़ाई के दौरान भी हिंदू खतरे में नहीं था। देश आजाद हुआ, तब भी कोई खतरा नहीं था। मुगलों का शासन रहा, सुल्तानों का शासन रहा, मुसलमान सत्ता में रहे, लेकिन तब भी हिंदू को कोई खतरा नहीं था। असल में जब से आरएसएस और बीजेपी की सरकार बनी है, तब से हिंदू खतरे में है की बात की जा रही है। यही डर दिखाकर आज यह लोग शासन कर रहे हैं। बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि, अब ये खुद को हिंदू नहीं, बल्कि सनातनी कहने लगे हैं।

भगवान के बारे में नहीं अब टोटका बताने लगे हैं कथावाचक : धर्म और अंधविश्वास पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रदेश में दो महाराज आ रहे हैं। एक प्रदीप महाराज और दूसरे धीरेंद्र शास्त्री महाराज। ये न तो भगवान शिव के बारे में बताते हैं और न ही हनुमान के बारे में, केवल टोटका और अंधविश्वास की बातें करते हैं। बघेल ने कहा कि, आज समाज जितना पढ़ा-लिखा होता जा रहा है, उतना ही अंधविश्वासी भी होता जा रहा है। आम लोग खुद इन कथावाचकों से ज्यादा जानते हैं कि शिव कौन हैं, हनुमान कौन हैं और पूजा कैसे की जाती है।

श्रद्धालुओं की स्थिति का पता नहीं, दोनों महाराजों की हालत सुधरी

भूपेश बघेल ने कहा कि, जो लोग वहां जाते हैं इतना पैसा चढ़ाते हैं, इतना विधि विधान करते हैं, लेकिन उनकी स्थिति सुधरी है या नहीं पता नहीं है। लेकिन इन दोनों महाराज की हालत बहुत सुधर गई है। हमारे सभी महापुरुषों ने समाज से अंधविश्वास को दूर किया है। लेकिन आज लोग अंधविश्वास की ओर जा रहे हैं। अपने नाम पर कराए जा रहे सर्वे को लेकर भी भूपेश बघेल ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, आज उनके नाम से सर्वे कराया जा रहा है कि भूपेश बघेल को गिरफ्तार किया जाना चाहिए या नहीं। उन्होंने पूछा कि इसका मतलब क्या है? पुलिस व्यवस्था है, न्याय व्यवस्था है, सब सरकार के हाथ में है।

छत्तीसगढ़ में एसआईआर का पहला चरण पूरा,23 दिसंबर से ऑनलाइन देख सकेंगे वोटर लिस्ट में अपना नाम

रायपुर,22 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस चरण में गणना का कार्य समाप्त होने के साथ ही उन मतदाताओं की सूची भी तैयार कर ली गई है, जो गैरमौजूद पाए गए, जिनका स्थानांतरण हो चुका है या जिनकी मृत्यु हो चुकी है। यह सूची सर्चेबल मोड में अपलोड की जा रही है, जिससे कोई भी मतदाता अपना नाम आसानी से खोज सकेगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, 1 जनवरी 2026 को आधार मानकर यह विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। जिन मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हो सके, उसके पीछे कई कारण सामने आए हैं, जैसे अन्य राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में पंजीकरण, मतदाता का अस्तित्व में न होना, 18 दिसंबर 2025 तक फॉर्म जमा न करना या मतदाता के रूप में पंजीकरण में रुचि न होना। निर्वाचन कार्यालय ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची 23 दिसंबर 2025 से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

पोस्ट ऑफिस एजेंट ने 200 खाताधारकों के साथ 1 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की,गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा,22 दिसम्बर 2025। जांजगीर-चांपा के चांपा पोस्ट ऑफिस में मासिक किस्त जमा कराने के नाम पर एजेंट दीपक देवांगन ने एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की। आरोपी ने पिछले पांच सालों में लगभग 200 खाताधारकों के साथ फर्जी एंट्री, हस्ताक्षर एवं पोस्ट ऑफिस की फर्जी मुहर लगाकर ठगी की। एक पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चांपा निवासी राजकुमार देवांगन ने 16 दिसंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से उनके दो खाते पोस्ट ऑफिस चांपा में थे, जिसमें वे एजेंट दीपक कुमार देवांगन के माध्यम से प्रतिमाह 1500 रुपये जमा करते थे। उन्होंने कुल 66,000 रुपये जमा किए, लेकिन एजेंट ने मात्र 6,900 रुपये ही खातों में जमा किए और शेष 59,100 रुपये की फर्जी एंट्री, हस्ताक्षर एवं फर्जी मुहर लगाकर गबन कर लिया।

खैरागढ़ में खूनी रंजिश...सोते हुए साथी जवान को सीएएफ जवान ने मारी गोली,मौके पर मौत

खैरागढ़,22 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ के घाघरा गाँव स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) की बटालियन कैंप में एक जवान ने अपने ही साथी जवान की हत्या कर दी। घटना रविवार देर रात की है, जब कैंप के भीतर सभी जवान अपनी ड्यूटी के बाद गहरी नींद में सो रहे थे। आरोपी जवान ने पुरानी रंजिश के चलते अपनी सर्विस राइफल निकाली और सीधे सोते हुए साथी पर फायरिंग कर दी। अचानक हुई इस गोलीबारी से पूरे कैंप में हड़कंप मच गया और जवान अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

मृतक की पहचान और आरोपी जवान की गिरफ्तारी : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस जानलेवा हमले में मारे गए जवान की पहचान सोनवीर जाट के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के निवासी थे। वहीं, इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले आरोपी जवान का नाम अरविंद गौतम बताया गया है। वारदात के तुरंत बाद अन्य जवानों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी अरविंद को काबू में कर लिया। गातापार थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी सर्विस राइफल जब्त कर ली है। शुरुआती जांच में पुलिस इसे आपसी विवाद और पुरानी रंजिश का मामला मान रही है, हालांकि जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

गोली ने चीर दिया हाथ और गाल में जा फंसी मौत : यह हमला इतना सटीक और घातक था कि सोनवीर को संभलने का मौका तक नहीं मिला। बताया जा रहा है कि आरोपी ने बेहद करीब से गोली चलाई थी। गोली सोनवीर के हाथ को चीरते हुए उनके गाल (चेहरे) में जा धंसी। गंभीर रूप से लहूलुहान जवान को सोमवार तड़के आनन-फानन में जिला मुख्यालय के सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुँचते ही डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शहीद जवान के पार्थिव शरीर को अस्पताल की मॉर्चुरी में रखा गया है और उत्तर प्रदेश में उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी,50 हजार का जुर्माने और कड़ी टिप्पणी के साथ खारिज की याचिका

बिलासपुर,22 दिसम्बर 2025। विभागीय सजा के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को सख्त टिप्पणियों के साथ खारिज करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि वकील बदल-बदलकर पुनरीक्षण याचिका लगाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल डिवीजन बेंच ने की। कोर्ट ने पहले 2 लाख रुपये का जुर्माना निर्धारित किया था,लेकिन याचिकाकर्ता के वकील द्वारा बार-बार बिना शर्त माफी मांगने पर इसे घटाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया। जुर्माने की राशि शासकीय विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी, गरियाबंद को देने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय में भुगतान नहीं होने पर राशि भू-राजस्व की तरह वसूली जाएगी। जशपुर निवासी संजीव यादव के खिलाफ विभागीय जांच के बाद चार वार्षिक वेतनवृद्धि रोकने की सजा दी गई थी। इसके खिलाफ 2018 में दायर याचिका को सिंगल बेंच ने 23 जनवरी 2025 को खारिज करते हुए कहा था कि जांच नियमानुसार हुई और प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला...चैतन्य बघेल के खिलाफ प्रकरण का 8वां अभियोग पत्र पेश

रायपुर,22 दिसम्बर 2025। ईओडब्ल्यू/एसीबी के द्वारा विवेचनाधीन शराब घोटाला प्रकरण में आज 22.12.2025 को विशेष न्यायालय में चैतन्य बघेल के खिलाफ अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब तक इस प्रकरण में मूल अभियोग पत्र सहित कुल 08 अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किये जा चुके हैं। प्रस्तुत चालान में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में जांच की वर्तमान स्टेटस को भी प्रस्तुत किया गया है,साथ ही अब तक गिरफ्तार सभी आरोपियों के संबंध में डिजिटल एविडेंस की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई है। इसके अतिरिक्त जिन आरोपियों के संबंध में जांच जारी है, उनके संबंध में भी जांच की वर्तमान स्थिति का उल्लेख किया गया है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही निरंतर जारी है। जांच पर अभियुक्त चैतन्य बघेल की भूमिका तत्कालीन समय में आबकारी विभाग में वसूली तंत्र (सिंडिकेट) को खड़ा करने तथा उसके समन्वय एवं संरक्षक के रूप में पायी गई है। चैतन्य बघेल प्रशासनिक स्तर पर सिंडिकेट के हितों के हिसाब से काम करने वाले अनिल टुटेजा, सौम्या चैरसिया, अरुणपति त्रिपाठी,

निरंजन दास जैसे अधिकारियों तथा सिंडिकेट के जमीनी मुखिया अनवर ढेबर, अरविंद सिंह, विकास अग्रवाल जैसे लोगों के बीच परस्पर सामंजस्य और तालमेल बिठाने और उन्हें निर्देशित करने का काम करते थे। चैतन्य बघेल,अनवर ढेबर के टीम के द्वारा एकत्र की गई घोटाले की रकम को अपने भरोसेमंद लोगों के माध्यम से उच्चस्तर तक पहुंचाने और उसको व्यवस्थापित करने का काम कर रहे थें। चैतन्य बघेल ने त्रिलोक सिंह ढिल्लन के विभिन्न फर्मों में,अपने हिस्से की रकम को प्राप्त कर बैंकिंग चैनल के माध्यम से अपने पारिवारिक फर्मों में प्राप्त किया, और उसका उपयोग निर्माणाधीन रियल ईस्टेट परियोजनाओं में किया। इसके अलावा बड़ी मात्रा में अपने पारिवारिक मित्रों,सहयोगियों के जरिये घोटाले की रकम बैंकिंग चैनल के माध्यम से प्राप्त कर उसका निवेश आदि करना पाया गया है। उच्चस्तर पर घोटाले की रकम के प्रबंधन के साथ-साथ, लगभग 200 से 250 करोड़ रूपये अपने हिस्से में प्राप्त करने के साक्ष्य मिले है। अब तक की गई विवेचना पर यह स्पष्ट हुआ है कि अभियुक्त चैतन्य बघेल से सिंडिकेट को मिलने वाले उच्चस्तरीय संरक्षण,नीतिगत/प्रशासनिक हस्तक्षेप एवं प्रभाव के कारण लम्बे समय तक इस अपराध को अंजाम दिया जा सका।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)